जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 6 जुलाई, 2025

विचार बिन्दु

आत्मविश्वास, आत्मज्ञान और आत्म संयम, केवल यही तीन जीवन को परम शांति सम्पन्न बना देते हैं। -टेनीसन

रामचरितमानस की समकालीन व्याख्या के दार्शनिक सूत्र

रामचरितमानस पर विगत शताब्दियों में असंख्य टीकाएँ, भाष्य और प्रवचन हुए हैं-किंतु उनमें अधिकांश या तो कथा-प्रवाह के रूप में सीमित रहे हैं, या केवल धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को ही प्रतिध्वनित करते रहे हैं। समकालीन वैश्विक विमर्शों-जैसे मानव उत्कर्ष, आत्मबोध, नैतिक नेतृत्व, संज्ञानात्मक विज्ञान, प्रसन्नता का विज्ञान, प्रज्ञा का विज्ञान, जीवन में अर्थ की अनुभूति और नैतिक निर्णय का मनोविज्ञान आदि-के आलोक में मानस के सैद्धांतिक पद्यों की गूढ़ व्याख्या की जो आवश्यकता थी, वह अब तक उपेक्षित रही है। यह प्रस्तुति इस रिक्ति की पूर्ति का एक निष्ठावान प्रयास है-जिसमें तुलसीकृत पदों को आधुनिक मानव के बौद्धिक, नैतिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन से इस प्रकार जोड़ा गया है कि वे पूज्य रहकर भी प्रयोज्य बनें; केवल कथ्य न रहकर पथ्य बनें। ऐसी समन्वित, संवादधर्मी और तात्त्विक व्याख्या पूर्ववर्ती परंपरा में दुर्लभ है-और संभवतः पहली बार इस प्रकार के विमर्श में मानस को वैश्विक और समसामयिक अर्थ-स्तरों पर प्रतिष्ठित किया गया है।

नवोन्मेषी, तात्त्विक और समसामयिक दृष्टिकोण से की गई रामचरितमानस की यह व्याख्या आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, नैतिक, पर्यावरणीय और वैश्विक शांति के स्तर पर भी एक गहन मार्गदर्शक बनकर उभरती है। आज जब विश्व समाज मानसिक स्वास्थ्य संकट, सामाजिक विषमता, आर्थिक असंतुलन, नैतिक भ्रम, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय पतन और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौर से गुजर रहा है-तब मानस का यह पुनर्पाठ आत्मबोध, करुणा, अर्थपूर्ण जीवन, और विवेकपूर्ण निर्णय की ओर एक ठोस सांस्कृतिक-सांवैधानिक सेतु प्रस्तुत करता है, जो मानव उत्कर्ष के समकालीन वैज्ञानिक प्रतिमानों से गहराई से मेल खाता है।

सामाजिक स्तर पर यह व्याख्या सम्मान, संवाद और समावेशिता के माध्यम से सामाजिक बंधुत्व और न्याय आधारित सह-अस्तित्व को पोषित करती है। आर्थिक क्षेत्र में यह सीमित उपभोग, नैतिक उत्पादन और सहकारी विकास की प्रेरणा देती है। पारिवारिक जीवन में यह स्नेह, श्रम और सम्मान के तंतु बुनती है, जो सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य और आपसी विश्वास की आधारशिला बनाते हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से मानस की के माध्यम से पृथ्वी को धर्मस्वरूप मानने की चेतना को पुनर्स्थापित करती है-जो आधुनिक पारिस्थितिक नैतिकता और जलवायु न्याय से सीधे जुड़ती है। यह दृष्टि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, संवाद और संतुलन को प्राथमिकता देती है।

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर-जहाँ युद्ध, उग्रवाद, और सभ्यताओं के संघर्ष की आशंकाएँ गहराती जा रही हैं-रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि अंतः शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, और नैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति-निर्माण और संघर्ष-परिवर्तन के लिए एक नैतिक-दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।

इस प्रकार यह समन्वित व्याख्या रामचरितमानस को केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि 21वीं सदी की बहुआयामी वैश्विक चुनौतियों-मानवता, प्रकृति और विश्व व्यवस्था-के समाधान का एक जीवंत स्रोत बनाकर प्रस्तुत करती है। यह अतीत के शाश्वत सत्य को वर्तमान की भाषा में अनुवादित कर भविष्य की दिशा प्रस्तावित करती है-जहाँ आस्था और बौद्धिकता, परंपरा और नवोन्मेष,भारत और विश्व-एक ही संवाद में समाहित हो सकें।

रामचरितमानस केवल एक भक्तिग्रंथ नहीं, अपितु भारतीय चेतना की बहुलवर्णी धारा है, जिसमें शब्द केवल वर्ण नहीं, जीवित मूल्य बनकर प्रवाहित होते हैं। यह काव्य उस सांस्कृतिक आत्मा का साक्षात् रूप है, जो युगों-युगों से मानव को केवल ईश्वर की ओर नहीं, अपने भीतर की समष्टिगत दिव्यता की ओर ले जाती रही है। इसके पद्यरूप-दोहा, चौपाई, सोरठा और विविध छंद-जैसे विभिन्न स्तरों पर एक ही सत्य की बहुभाषिक अभिव्यक्ति हैं। उनमें कथा की सरलता, भावना की तीव्रता और सिद्धांत की गंभीरता का ऐसा त्रिवेणी-संगम है, जो मानस को केवल पाठ नहीं, प्रज्ञा, प्रेम और पुरुषार्थ का अद्वितीय प्रकाशपुंज बना देता है। इसीलिए, इस व्याख्या का ध्येय केवल व्याख्यान नहीं, आत्मसात् है-जिसमें हम मानस के सैद्धांतिक पद्यांशों को समकालीन दृष्टिकोण से देखने का साहस करें, और उन्हें जीवन में उतारने की दिशा प्राप्त करें।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन-दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं।

> **रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि अंतः शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, और नैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति-निर्माण और संघर्ष-परिवर्तन के लिए एक नैतिक-दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।**

तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत-तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है। यदि हम इसकी पद्यविन्यास को अंतर्वस्तु के आधार पर देखें, तो मोटे रूप में तीन प्रकार के पद्य-कथानक, भावप्रधान और सैद्धांतिक-स्पष्ट होते हैं।

कथानक अंशों में रामकथा के विविध प्रसंग-जैसे श्रीराम का जन्म, वनगमन, युद्ध और राज्याभिषेक-का प्रवाह होता है। ये चौपाइयाँ कथा की गति को वहन करती हैं, पर वे केवल घटनाओं का विवरण नहीं, नैतिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती हैं। ये पद्य आज के समय में लोकहितकारी नेतृत्व जैसे विचारों को प्रत्यक्ष या प्रतीकात्मक रूप में प्रकट करते हैं।

भावप्रधान अंश मानस की आत्मा हैं। ये वे पद्य हैं जो श्रद्धा, प्रेम, करुणा, त्याग और भक्ति जैसे भावों को गहराई से स्पर्श करते हैं। ये केवल भक्तिपूर्ण अभिव्यक्तियाँ नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मसमर्पण और आत्म-दया की उस परंपरा से जुड़ी हैं जो आज मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और आत्म-स्वीकृति के विमर्शों में अत्यंत प्रासंगिक मानी जाती है।

परंतु सबसे महत्वपूर्ण, और आज के संदर्भ में अत्यंत उपयोगी, मानस के सैद्धांतिक पद्य हैं। यहीं वह गूढ़ तत्व प्रकट होता है जो रामचरितमानस को एक सार्वकालिक जीवन-संहिता बना देता है। इन अंशों में तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान, उपनिषदों की तत्वमीमांसा, भक्ति-सूत्रों की भावना और योगदर्शन की मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टियों को अत्यंत सरल अवधी भाषा में प्रस्तुत किया है। यह केवल आध्यात्मिक अनुभूति नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक-भावनात्मक आरोपण का सूत्र है-जिससे यह समझा जा सकता है कि व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही अनुभव करता है। उसकी चेतना जिस प्रकार ढली होती है, उसी प्रकार उसका ईश्वर, संसार और स्वयं का बोध निर्मित होता है।

इन सैद्धांतिक अंशों को समकालीन संदर्भ में समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज मानवता केवल बाह्य संसाधनों से नहीं, आंतरिक क्षमताओं से भी संघर्ष कर रही है। आज का वैश्विक विमर्श मानव उत्कर्ष की ओर उन्मुख है, जिसमें केवल शारीरिक या आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन, आत्मबोध, नैतिक स्पष्टता, संबंधबुद्धि और उद्देश्यपरक जीवन को मिलाकर समग्र जीवन की परिकल्पना की जाती है। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इसी दिशा में सूक्ष्म और प्रासंगिक मार्गदर्शन देते हैं।

नीतिपरक कथनों में संबंधों की परीक्षण-क्षमता, गुणधर्म आधारित नैतिकता और संकट में धैर्य एवं दृढ़ता जैसे तत्त्व अंतर्निहित होते हैं-जो आज के नेतृत्व और मनोविज्ञान के केंद्र में हैं। ये केवल आदर्श स्थापित नहीं करते, बल्कि मूल्याधारित प्रतिक्रिया को संभव बनाते हैं।

इसी प्रकार समावेशी चेतना और गहन सहानुभूतिजैसी अवधारणाएँ, जो आज के वैश्विक नैतिक विमर्श का आधार हैं, मानस के उन सूत्रों में सहजता से व्यक्त होती हैं जहाँ प्रत्येक प्राणी को राममय देखा जाता है। यह दृष्टि केवल धार्मिक सहिष्णुता नहीं सिखाती, बल्कि आंतरिक गरिमाऔर सार्वभौमिक सम्मान का अभ्यास कराती है।

समकालीन वैश्विक दर्शन में भी वही अंतर्दृष्टियाँ अब पुनःप्रगट हो रही हैं-जैसे अस्तित्ववादी मनोविज्ञान में अर्थ-रचना की भूमिका, सकारात्मक मनोविज्ञान में कृतज्ञता, करुणा और उद्देश्य, तंत्रिका-विज्ञान में ध्यानात्मक अवस्थाओं द्वारा मानसिक लचीलापन और सार्वजनिक नैतिकता में गरिमा-आधारित नेतृत्व आदि हैं। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इन सभी से गहन संवाद करते हैं-उनसे टकराते नहीं, बल्कि उन्हें नवाचारी, कल्याणकारी और पूरक दृष्टि प्रदान करते हैं।

इसलिए जब मैं रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंशों की समकालीन व्याख्या करता हूँ, तो मेरा उद्देश्य केवल परंपरा का अनुकरण करना नहीं, बल्कि संवादात्मक ज्ञान का अभ्यास करना है। यह प्रयास इस विश्वास से प्रेरित है कि मानस न तो केवल पूज्य ग्रंथ है, न केवल सांस्कृतिक स्मृति है। यह एक जीवंत जीवन-व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति की चेतना, उसका चरित्र और उसका समुदाय-तीनों के लिए गहरा मार्गदर्शन समाहित है। यदि हम इसे केवल पूजेंगे, तो यह मूर्ति बनकर रहेगा। यदि इसे समझेंगे, तो यह दर्पण बनेगा। और यदि इसे जीएँगे, तो यह जीवन-पद्धति बन जाएगा-जिससे न केवल व्यक्ति, बल्कि समाज और संस्कृति-तीनों स्पष्टता, श्रद्धा और विवेक के साथ समृद्ध हो सकेंगे। यही मानस का समकालीन और वैश्विक सत्य है।

आज जब मानवता बाह्य साधनों की प्रचुरता और आंतरिक दिशाहीनता-दोनों के द्वंद्व में उलझी हुई है, तब रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंश हमें स्थायित्व, विवेक और करुणा की पुनःस्थापना का आव्हान करते हैं। यह ग्रंथ हमें स्मरण कराता है कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, अपितु संलग्न कर्म में सार्थकता की खोज है; कि भक्ति केवल भावुकता नहीं, अपितु समर्पित विवेक का नाम है; और कि जीवन की प्रत्येक चुनौती-चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक-उसकी गूंज मानस की किसी चौपाई में पूर्वाभासित है। जब हम इन गूढ़ पद्यों को समकालीन संदर्भ में समझते हैं, तो न केवल ग्रंथ जीवंत होता है, बल्कि हम स्वयं भी अधिक जागरूक, उत्तरदायी और करुणाशील मानव बनते हैं। यही रामचरितमानस की सार्वकालिक और सार्वभौमिक विजय है-कि वह समय के साथ, हर युग के साथ और अधिक प्रासंगिक हो उठता है।

व्याख्या जारी रहेगी!

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा - अलवर जिले में सफलता मिली

राज्य सरकार द्वारा अंतिम छोर के व्यक्ति को लाभांवित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे की मुहिम चलाई जा रही है। पखवाडे के तहत गांव-गांव में शिविर लगाकर 30 से अधिक विभागों के कार्मिकों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर सरकार की 63 योजनाओं व सेवाओं का लाभ आमजन को मौके पर ही उपलब्ध करवाया जा रहा है।

शिविरों में ये हो रहे हैं काम :- शिविर में सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी, रास्ते, भूमि आवंटन जैसे लंबित प्रकरणों का निस्तारण,राजस्व मंडल से तलब अभिलेखों का निष्पादन, अटल ज्ञान केन्द्र हेतु भूमि/भवन चिन्हित करना,21,000 रूपए की डीबीटी प्रोत्साहन राशि का वितरण, बीपीएल परिवारों का सत्यापन, सर्वेक्षण और योजनाओं को जोड़ना, स्वामित्व पट्टों का वितरण, जलग्रहण संरचनाओं की मरम्मत, बिजली के झूलते तार, पोल और वृक्षों की छंटाई, लंबित नल कनेक्शन और टंकी की सफाई, पेयजल लाइन में प्रेशर सुधार, पाइपलाइन मरम्मत और लीकेज निवारण, नहरों की सफाई, गाद निकासी, गेट ग्रीसिंग, बाराबंदी, खाल-आड़ विवादों का समाधान, हस्तांतरित जल संरचनाओं की मरम्मत, ड्रिप, फव्वारा योजनाओं की स्वीकृति,मृदा नमूना और स्वास्थ्य कार्ड वितरण, पौधारोपण, नर्सरी से पौधा वितरण,एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का समाधान, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, नए पात्र परिवारों का समावेश।

महेश को मिली गृह प्रवेश की खुशियां :- अलवर जिले की रैणी तहसील की ग्राम पंचायत सालोली में आयोजित अन्त्योदय शिविर ग्राम सालोली निवासी महेश चंद जांगिड के लिए गृह प्रवेश की खुशियां लेकर आया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले पक्के घर में उपखण्ड अधिकारी रैणी ने महेश चंद को विधिवत गृह प्रवेश कराकर नए घर की शुभकामनाएं दी।

लाभार्थी महेश ने बताया कि वह वर्षों से कच्चे घर में रह रहा था तथा आर्थिक स्थिति से कमजोर होने के कारण घर को पक्का नहीं करा पा रहा था। बरसात के दिनों में घर टपकता था जिससे पूरा परिवार रात-रात भर बैठे ही निकाल देता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने पक्के घर में मेरा पूरा परिवार अब हर मौसम में आराम से रह रहा है।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरा पक्का घर बन पाएगा, परंतु प्रधानमंत्री आवास योजना ने मेरे पक्के घर का सपना साकार किया है। लाभार्थी ने पक्के घर की सौगात देने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं शिविर के माध्यम से लाभांवित करने पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

विवाह पंजीयन से अब मिलेंगे विभिन्न योजनाओं के लाभ :- गोविन्दगढ तहसील की ग्राम पंचायत ईन्दपुर में आयोजित शिविर में ईन्दपुर निवासी अजय शर्मा व मुस्कान का मौके पर ही विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किया गया। जिस पर अजय और मुस्कान ने कहा कि विवाह पंजीयन होने से अब सरकार की योजनाओं आदि का लाभ मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

आम रास्ता खुलवा कर सौहार्द और विकास की राह खोली :- कैरवावाल से कैरवाडी जाने वाला रास्ता कई सालों से अतिक्रमण की चपेट में था और लोगों को आने जाने के लिए दूसरा लम्बा रास्ता उपयोग करना पड़ रहा था। ग्राम पंचायत कैरवावाल में आयोजित शिविर में इस रास्ते को प्रशासन की टीम द्वारा समझाइश कर खुलवाया गया। रास्ता खुलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है तथा ग्रामीणों ने कहा कि अब आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

जमाबंदी रेकार्ड में दर्ज त्रुटि को दुरूस्त किया :- भू राजस्व रेकार्ड में त्रुटि होने से रामगढ तहसील की ग्राम पंचायत ऊंटवाल निवासी मुबारिक, ताहिर, जमशेद को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ऊंटवाल में आयोजित शिविर में मौके पर ही इनके जमाबंदी रेकार्ड को दुरूस्त किया गया। शिविरों में हाथों-हाथ काम होने पर लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

-मनोज कुमार मेहरा,
सहायक निदेशक, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, अलवर

वैर के भौंडा गांव में शहीद हरेन्द्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण

भरतपुर में शहीद हरेन्द्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण गृह राज्य मंत्री बेढम के मुख्य अतिथि में हुआ।

> **भारतीय संस्कृति सभी लोगों का देश भक्ति, समाज और मानव सेवा, सनातन धर्म का ज्ञान आदि देती हैं : गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह**

हलैना/भरतपुर, (निसं)। वैर के भौंडा गांव में शहीद हरेद्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह बेढम के मुख्य आतिथ्य व विधायक बहादुर सिंह कोली की अध्यक्षता में हुआ। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा, महेंद्र सिंह खेड़ला, केदार सिंह गुर्जर, दरबारी गुर्जर विशिष्ठ अतिथि रहे।

अतिथियों ने शहीद स्मारक का फीता काटकर और शहीद हरेंद्र सिंह की प्रतिमा का लाल वस्त्र हटाकर व फूल माला पहनाकर अनावरण किया। इस अवसर पर शहीद के पिता बली गुर्जर, पत्नी वीरवती देवी, मां और उनके बच्चे भी मौजूद रहे। गृह राजमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भारतीय संस्कृति और आस्था के स्थल, शहीद की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुगल एव अंग्रेजों ने भारत में धार्मिक व आस्था से भरपूर स्थलों को खंडित किया, साथ ही भारतीय संस्कृति और धार्मिक ग्रंथों को नष्ट किया। जिसके पीछे इनका एक ही उद्देश्य था कि देश और समाज में फूट डाल दी जाए, जिससे भारतीय जनता आपस में झगड़ा कर मर मिटे और भारतीय संस्कृति नष्ट हो जाए, लेकिन ये सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सभी लोगों का देश भक्ति, समाज और मानव सेवा, सनातन धर्म का ज्ञान आदि देती हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आमजन में बढ़ती लोकप्रियता व उनके कार्य को देखकर गैर भाजपा दल नेता चिंतित है। क्योंकि राज्य में केंद्र और राज्य सरकार विकास करा रही है और डबल इंजन सरकार पर जनता को विश्वास आए दिन क्यों बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में एक भी परीक्षा का पेपर आउट नहीं हुआ। जबकि राज्य की पिछली सरकार के कार्यकाल में 19 में से 17 पेपर आउट हुए।

उन्होंने कहा कि देश और समाज की सेवा करने वाला यदि प्राण त्याग दे, तो लोग उसे कभी नहीं भूलते हैं और उसको हमेशा याद कर शहीद का दर्जा देते हैं। शहीद हरेंद्र सिंह ने 17 साल भारतीय सेवा में नौकरी की और उसके बाद राजस्थान पुलिस में सर्विस करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। जिनकी प्रतिमा का अनावरण करने तथा उसके माता-पिता, पत्नी, बच्चों का मुझे सम्मान करने का मौका मिला, तो मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं। वैर के विधायक बहादुर सिंह कोली व भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने भी शहीद हरेंद्र सिंह के माता-पिता, पत्नी बच्चों का सम्मान करते हुए कहा कि ये धन्यवाद के पात्र हैं कि इनके घर में शहीद हरेंद्रसिंह का जन्म हुआ। हमको सभी लोगों को हरेंद्रसिंह के परिजनों का सम्मान व शहीदों को नमन करना चाहिए। भुसावर वृत के पुलिस उपाधीक्षक धर्मेंद्र शर्मा, गजेंद्र सिंह टंटा, करतारसिंह, केदार सिंह गुर्जर, सुमरन गुर्जर, शिवराम सिंह, डॉ. पवन धाकड़, शहिद के पिता बली सिंह, मां, पत्नी वीरवती, हरेंद्र सिंह जाट भाजपा ग्रामीण मण्डल वैर पूर्व अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह टंटा, भाजपा ओबीसी मोर्चा भरतपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन धाकड़, शेर सिंह धरसोनी, प्रेम सिंह मास्टर, विष्णु मित्तल आदि मौजूद रहे। संचालन सतीश पाण्डे ने किया, जबकि आभार प्रकट केदार सिंह वाराखुर्द ने किया।

गंगापुर सिटी में पांच माह से वेतन नहीं मिलने से नाराज ऑटो टिपर संचालकों ने काम रोका

घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य पूरी तरह ठप, शहर में गंदगी के ढेर लगे

> **नगर परिषद ने कचरा संग्रहण का काम नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा था, कंपनी लगभग 20 ऑटो टिपर के माध्यम से शहर में घर-घर से कचरा एकत्र करती है**

गंगापुर सिटी, (निसं)। घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य पूरी तरह से ठप हो गया है। नगर परिषद द्वारा नियुक्त नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के ऑटो टिपर संचालकों ने वेतन नहीं मिलने के कारण काम रोक दिया है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद ने कचरा संग्रहण का काम नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा था। कंपनी लगभग 20 ऑटो टिपर के माध्यम से शहर में घर-घर से कचरा एकत्र करती है। नगर परिषद के पास बजट की कमी के कारण पिछले आठ महीनों से कंपनी को भुगतान नहीं किया गया है। कंपनी के प्रतिनिधि राजवीरसिंह जाट के अनुसार, उन्होंने कर्मचारियों को तीन महीने का वेतन अपने स्तर पर दिया है, लेकिन अब पांच महीने का वेतन बकाया है। नगर परिषद से भुगतान न मिलने के कारण वे कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रहे हैं।

ऑटो टिपर कर्मचारी रवि और सुरेश ने बताया कि वेतन नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्हें घर चलाने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल के कारण शहर में कचरे का संग्रहण और निपटारा नहीं हो पा रहा है, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है। एक-दो माह की बात तो सही है लेकिन विगत पांच माह से भुगतान नहीं मिलने से आर्थिक परेशानी के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ी रही है।

सफाई निरीक्षक पिंटू मीणा का कहना है कि शुक्रवार को ऑटो टिपर संचालकों ने हड़ताल कर दी, सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए परिषद अपने स्तर पर कार्मिकों से सफाई करवाने के साथ गंदगी कचरे का निपटारा करवा रही है।

राशिफल रविवार 6 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 10:42 तक, साध्य योग रात्रि 9:27 तक, वणिज करण प्रातः 8:07 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:01 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग रात्रि 9:16 से 10:42 तक है। राजयोग रात्रि 10:42 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा प्रातः 8:07 से रात्रि 9:16 तक है। आज देवशयनी एकादशी व्रत है। आज से चातुर्मास व्रत नियम आरम्भ होगा। आज ताजिया मुहर्रम है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:24 से 9:07 तक, लाभ-अमृत 9:07 से 12:31 तक, शुभ 2:13 से 3:56 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद दूर होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में मांगलिक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनः स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

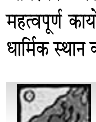

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मांगलिक-धार्मिक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 243 प्रभात उदयपुर, रविवार 6 जुलाई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे के पुनर्मिलन व एकता समारोह में कांग्रेस अनुपस्थित क्यों रही?

एन.सी.पी. की ओर से सुप्रिया सुले, वामपंथी दलों के नेता, किसान यूनियन के प्रतिनिधि, प्रोग्रेसिव बुद्धिजीवी व सिविल सोसायटी के एक्टिविस्ट भारी संख्या में मौजूद थे, इस समारोह में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। शिवसेना के संस्थापक परिवार के उत्तराधिकारी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बहुप्रतीक्षित पुनर्मिलन ने महाराष्ट्र की राजनीतिक जमीन को हिला दिया है। इस घटनाक्रम ने राज्य में आशा और आशंका-दोनों को जन्म दिया है। जहां यह एकता पूरे महाराष्ट्र में एक मजबूत प्रतीकात्मक संदेश दे रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी की इस कार्यक्रम से स्पष्ट दूरी ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के भीतर गहरे रणनीतिक समीकरणों और बढ़ती असहजता को उजागर कर दिया।

यह कार्यक्रम काफी धूमधाम से आयोजित किया गया, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक जगत के कई नेताओं और हस्तियों ने भाग लिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले, वामपंथी दलों के नेता, प्रमुख किसान संगठनों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील शिक्षाविद और सामाजिक

- राजनीतिक टीकाकार, इस समारोह की तुलना 1950 के दशक के संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन से कर रहे हैं जिसकी इतिश्री नये राज्य, 1960 में महाराष्ट्र के जन्म होने के बाद हुई थी।
- राज ठाकरे ने अपनी पार्टी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का गठन उत्तर भारत के महाराष्ट्र में बसे लोगों के खिलाफ आक्रामक रुख को आधार बनाकर किया था। कांग्रेस, राज ठाकरे की उस छवि को स्वीकार नहीं कर पा रही, विशेषकर, अब जबकि उत्तर भारत में कई राज्यों में चुनाव होने वाले हैं तथा राज ठाकरे से गठबंधन को उत्तर भारत में समझाना आसान काम नहीं है। कांग्रेस उत्तर भारत में पुनः जीवित होने की महत्वाकांक्षा रखती है।
- साथ ही, अगर उद्धव ठाकरे व राज ठाकरे में सच्ची मित्रता हो जाती है तो कांग्रेस के लिए भारी खतरा है, दोनों भाईयों की मित्रता से महाविकास अघाड़ी गठबंधन में नये पावर समीकरण बनेंगे। जिसमें, कांग्रेस का महत्व घटने की भारी संभावना है।

कार्यकर्ता दोनों चचेरे भाईयों के इस पुनर्मिलन के साक्षी बने। कई राजनीतिक विश्लेषकों ने इस क्षण की तुलना 1950 के दशक के संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन से की-एक ऐसा दौर जब क्षेत्रीय पहचान की मांग ने 1960 में आधुनिक महाराष्ट्र राज्य के गठन का मार्ग प्रशस्त किया था।

हालांकि, कांग्रेस पार्टी-जो एमवीए गठबंधन की एक अहम भागीदार है-इस आयोजन से दूर रही। पार्टी का कोई शीर्ष नेता इसमें शामिल नहीं हुआ और भीतर से मिले संकेत भी मिश्रित थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कांग्रेस की गैर मौजूदगी को महत्वहीन बताते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे और उनके नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के साथ पार्टी के रिश्ते मजबूत हैं, लेकिन कांग्रेस की अनुपस्थिति एक अलग कहानी बयां कर रही थी।

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, पार्टी की यह झिझक राज ठाकरे की विवादास्पद राजनीतिक विरासत से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

5 साल की बच्ची से ज्यादती के आरोपी को दस साल की सजा

जयपुर, 5 जुलाई। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने करीब पांच साल की बच्ची के साथ ज्यादती करने वाले अभियुक्त विमल कुमार को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी के.सी. अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने न केवल करीब पांच साल की बच्ची का अपहरण किया, बल्कि उसके साथ ज्यादती भी की। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

- पॉक्सो कोर्ट ने अभियुक्त पर डेढ़ लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया। अभियुक्त पर आरोप है कि उसने बालिका का अपहरण किया और ज्यादती की।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि 9 फरवरी, 2023 को पीड़िता अपने परिवार के साथ पड़ोसी के बेटे की शादी में गई थी। देर रात खेत से चिल्लाने की आवाज आई तो बालिका का पिता खेत पर पहुंचा तो वहां गांव के दो युवकों ने विमल को पकड़ रखा था। पूछने पर बताया कि विमल उसकी पांच साल की बेटी को पास के सरसों के खेत में ले गया और ज्यादती करने की कोशिश की। पीड़िता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'देखना मोदी चुपचाप गर्दन झुका कर ट्रंप की ''डैड लाइन'' स्वीकार कर लेंगे'

राहुल गांधी ने पीयूष गोयल की टिप्पणी पर कटाक्ष किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा तय की गई ''रैसिप्रोकल टैरिफ'' की समयसीमा के आगे ''बिना किसी विरोध के झुक जाएंगे।''

राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है और ट्रंप द्वारा तय की गई 9 जुलाई की डैड लाइन नज़दीक आ रही है।

राहुल गांधी ने यह टिप्पणी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की, जहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के बयान पर आधारित एनडीटीवी की एक खबर साझा की। गोयल ने कहा था कि भारत किसी भी व्यापार समझौते को तब तक अंतिम रूप नहीं देगा जब तक वह समझौता निष्पक्ष न हो और राष्ट्रीय हित में न हो।

पोस्ट में लिखाः ''पीयूष गोयल चाहे जितना भी सीना ठोक लें, मेरी बात लिखकर रख लीजिए-मोदी ट्रंप की

- केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में कहा था, भारत, अमेरिका से वाणिज्य समझौता हस्ताक्षर करने की जल्दी में नहीं है तथा भारत समझौते पर हस्ताक्षर तभी करेगा, जब कि समझौता न्यायोचित तथा भारत के हित में होगा तथा भारत ''डैड लाईन'' के किसी दबाव को स्वीकार नहीं करता।
- राहुल ने कटाक्ष को गहरा करते हुए कहा, पीयूष गोयल कितना भी छाती ठोक लें, पर होगा यही कि मोदी ट्रंप की नई ''डैड लाइन'' चुपचाप विनम्रता से स्वीकार कर लेंगे।

टैरिफ डैड लाइन के आगे बिना कोई विरोध किए चुपचाप झुक जाएंगे।''

भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर महीनों से बातचीत जारी है और अब यह अंतिम चरण में है। जिस समयसीमा की बात हो रही है, वह ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए रैसिप्रोकल टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित करने की अवधि है, जो 9 जुलाई को समाप्त हो रही है।

शुक्रवार को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान पीयूष गोयल ने दोहराया कि भारत केवल तभी कोई व्यापार समझौता करेगा जब वह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी हो और उसमें राष्ट्रीय हितों की पूरी सुरक्षा हो।

गोयल ने कहा, ''यह एक विन-विन (दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद) समझौता होना चाहिए, और केवल तब ही जब भारत के हित पूरी तरह सुरक्षित हों-राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा-और यदि इस दृष्टिकोण से कोई अच्छा समझौता बनता है, तो भारत विकसित देशों के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार है।''

गोयल ने बताया कि अमेरिका के साथ बातचीत के साथ-साथ यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, चिली और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा विवाद को फिर से हवा दी

यूपी सरकार ने कांवड़ मार्ग पर खान-पान की दुकानों के मालिकों को पहचान उजागर करने का आदेश दिया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। हिंदू भावनाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से, उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बार फिर कांवड़ यात्रा से पहले हिंदू-मुस्लिम विभाजन से राजनीतिक लाभ उठाने की रणनीति अपनाई है। यह यात्रा 11 जुलाई से शुरू होने वाली है।

पिछले साल इसी तरह के आदेश को लेकर विपक्षी दलों और नागरिक समाज समूहों द्वारा किए गए भारी विरोध के बावजूद, उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बार फिर यह अनिवार्य कर दिया है कि कांवड़ मार्ग पर मौजूद सभी खाद्य प्रतिष्ठान अपना वैध खाद्य लाइसेंस और स्वामित्व विवरण को प्रमुखता से प्रदर्शित करें।

हालांकि पिछले साल उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली

- गत वर्ष भी यूपी सरकार ने ऐसा ही आदेश दिया था, पर, भारी विरोध के कारण उस पर रोक लगा दी थी।
- यूपी के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा, हर खरीददार को यह जानने का हक है कि वह जिससे सामान खरीद रहा है, वह कौन है।
- विपक्षी नेताओं ने यूपी सरकार पर धार्मिक ध्रुवीकरण करने की राजनीति का आरोप लगाया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, इतने सालों से यात्रा शांति से चल रही थी, अब अचानक से क्या हो गया है।

खाद्य दुकानों के नाम प्रमुखता से प्रदर्शित करने के आदेश को वापस ले लिया था, इस साल राज्य के कैबिनेट मंत्रियों ने खुले तौर पर इस आदेश को उचित ठहराया है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ''हर खरीदार को यह जानने का अधिकार है कि वह किससे सामान खरीद रहा है। यह नियम भी है। यदि उनसे नाम लिखने को कहा जा रहा है, तो इसमें क्या समस्या है?''

वरिष्ठ मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि ऐसा आदेश विवाद से बचने के लिए जारी किया गया है। ''विभिन्न धर्मों की अलग-अलग व्यवस्थाएँ होती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रोहित गोदारा के नाम पर 5 करोड़ की फिरौती मांगी

बीकानेर, 5 जुलाई (निसं)। एक फाइनेंशियल कंपनी के सीईओ पीयूष शृंगारी से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। कॉल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया था। पुलिस ने सीईओ को सुरक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही कॉल की छानबीन शुरू कर दी है। मामला जयनारायण व्यास थाने का है।

- एसपी ने फाइनेंशियल सर्विस के सीईओ की सुरक्षा में हथियार बंद पुलिस तैनात की।

वैल्थोनिक फाइनेंशियल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सीईओ पीयूष शृंगारी ने पुलिस को इस मामले की शिकायत की। एसपी कावेंद्र सिंह सागर के आदेश पर सीईओ के घर और आसपास वर्दी व सामान्य वर्दी में हथियारबंद पुलिस तैनात की गई है। सीईओ ने रिपोर्ट में बताया कि 2 जुलाई की शाम को उनके पास वॉट्सएप कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नैशनल हैरल्ड को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं, बेचने की नहीं'

कांग्रेस ने शनिवार को जवाब दिया कि पार्टी हैरल्ड की कम्पनी ''एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड'' (ए.जे.एल.) की सम्पत्ति नहीं बेचेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह नेशनल हैरल्ड को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है, ना कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियों को बेचने की।

एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) का आरोप है कि गांधी परिवार के पास यंग इंडियन नामक निजी कंपनी में 76 प्रतिशत बहुमत हिस्सेदारी है, और इस कंपनी ने 90 करोड़ के ऋण के बदले एजेएल की संपत्तियों को धोखाधड़ी से अपने अधीन कर लिया।

वरिष्ठ अधिवक्ता आर. एस. चीमा, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, ने शनिवार को कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) एजेएल की संपत्तियों को बेचने की नहीं, बल्कि उस संस्था को बचाने की कोशिश कर रही है, जो

- सुप्रीम कोर्ट में राहुल गांधी के वकील आर.एस. चीमा ने कहा, ए.जे.एल. की स्थापना 1937 में जवाहरलाल नेहरू, जे.बी. कृपलानी, रफी अहमद किदवई आदि ने की थी। इस कम्पनी की आज़ादी के आंदोलन में अहम भूमिका थी। कांग्रेस पार्टी इसे बेचने के बजाय बचाने का प्रयास कर रही है।
- चीमा ने कहा, एजेएल के मैमोरैन्डम ऑफ एसोसिएशन में साफ लिखा है, कम्पनी की नीति ही कांग्रेस की नीति होगी। यह कम्पनी प्रॉफिट के लिए नहीं बनी थी।
- चीमा ने कहा, समस्या ए.जे.एल. को दिए गए कर्ज की वसूली नहीं, बल्कि ए.जे.एल. को पुनः पटरी पर लाने की है।
- ज्ञातव्य है कि ईडी ने गांधी परिवार पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी कम्पनी ''यंग इंडियन'' के मार्फत 90 करोड़ रूपए के कर्ज़ के एवज में ए.जे.एल. की सम्पत्तियों पर कब्जा कर लिया है।

स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा रही है।

चीमा ने यह जवाब विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत में पेश किया।

ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस के दिवंगत नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस, साथ ही सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और निजी कंपनी यंग इंडियन पर 2,000 करोड़ से अधिक मूल्य की संपत्तियों धोखे से अधिग्रहित करने का आरोप लगाया है। ये संपत्तियाँ एजेएल की थीं, जो नेशनल हैरल्ड अख़बार प्रकाशित करता था।

चीमा ने अदालत में सवाल उठायाः ''क्या मेरे मित्र (ईडी के वकील) बता सकते हैं कि उन्होंने एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) पेश करने से परहेज क्यों किया?''

उन्होंने बताया, ''एजेएल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सड़क हादसे में 36 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल

जम्मू, 05 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में चंद्रकोट के निकट शनिवार को अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुए वाहनों के काफिले की चार बसों की आपस में टक्कर होने से कम से कम 36 तीर्थयात्री घायल हो गये।

अधिकारियों ने बताया कि यह टक्कर तब हुई जब काफिले में शामिल बसों में से एक के चालक ने चंद्रकोट

- रामबन जिले में उस समय अमरनाथ यात्रियों के चार बसें आपस में टकरा गईं जब एक बस का ब्रेक फेल हो गया।

के निकट ब्रेक फेल होने के कारण वाहन का नियंत्रण खो दिया। इस हादसे में कम से कम 36 लोग घायल हो गये।

उन्होंने कहा कि पुलिस, अर्धसैनिक बल और स्थानीय लोगों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

24 जून को चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, ग्यारह दस्तावेज़ जरुरी होंगे, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए

यह निर्देश उन व्यक्तियों के लिए अनिवार्य है, जिनका नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 05 जुलाई। चुनाव आयोग ने 24 जून को बिहार में स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एस.आई.आर.) करने का निर्देश जारी किया था, कथित रूप से अपात्र नामों को हटाने और केवल पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने के उद्देश्य से।

चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाताओं के स्पैशल रिविज़न के मूल में 24 जून को दिया गया वह आदेश है, जिसमें कहा गया है कि जिन लोगों का नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं है, जिनकी संख्या अनुमानतः 2.93 करोड़ है, उन्हें वोट देने की पात्रता साबित करने के लिए 11 में से कम से कम एक दस्तावेज़ प्रस्तुत करना होगा।

चुनाव आयोग ने 24 जून और 30 जून को जारी दो बयानों में इस रिविज़न (पुनरीक्षण) के पीछे के कारण बताए गए हैं: ''विदेशी अवैध प्रवासियों के नामों का सूची में होना,'' ''बार-बार का पलायन'', ''युवाओं का मतदान के योग्य होना,'' और ''मृत्यु की रिपोर्ट न होना।''

हालांकि चुनाव आयोग ने कहा है कि ये 11 दस्तावेज़ों की सूची केवल एक उदाहरण है इसका मतलब यह नहीं कि केवल यही दस्तावेज़ मान्य हैं, अगर किसी के पास इनमें से कोई दस्तावेज़ नहीं है तो भी वो अन्य दस्तावेज़ दिखाकर मतदाता सूची में नाम दर्ज करा सकते हैं। यह इसलिए संभव है क्योंकि भारत का जन प्रतिनिधत्व अधिनियम, 1950 यह अधिकार निर्वाचक

- बिहार में ऐसे कुल मतदाता 2.93 करोड़ हैं।
- बिहार की प्रशासनिक काम करने की रफ्तार से नये मतदाता काफी आशंकित हैं कि क्या वे समय रहते ये ग्यारह दस्तावेज़ सरकार से प्राप्त कर पायेंगे।
- इसी आशंका के कारण वोटर लिस्ट रिविज़न को ''वोट बंदी'' का नाम दिया गया है, सोशल मीडिया में। सोशल मीडिया के अनुसार, 2016 में सरकार ने अलोकप्रिय ''नोट बंदी'' लागू की थी तथा कोविड की महामारी के बाद स्वास्थ्य की सुरक्षा की दृष्टि से भारत में स्वयमेव ''देश बंदी'' लागू हुई थी।

नामावली अधिकारियों (ई.आर.ओ.) को देता है कि वे तय करें कि कौन मतदाता सूची में शामिल किया जाए। चुनाव आयोग सिर्फ दिशानिर्देश जारी कर सकता है, लेकिन यह तय करना कि कौन से दस्तावेज़ मान्य होंगे, यह अधिकार ई.आर.ओ. के पास है।

इसलिए, ई.आर.ओ. को किसी व्यक्ति के आवेदन से संतुष्ट होना चाहिए, यानी उसे भरोसा हो जाना चाहिए कि आवेदक भारतीय नागरिक है और मतदान के योग्य है। आयोग ई.आर.ओ. को यह नहीं कह सकता कि सिर्फ यही दस्तावेज़ मान्य होंगे, अन्य प्रमाण भी मान्य हो सकते हैं। अगर वे ई.आर.ओ. को संतुष्ट करते हैं। लेकिन वास्तविकता में बिहार के सामाजिक-आर्थिक हालात को देखते हुए आम लोगों के लिए ये दस्तावेज़ जुटाना लगभग असंभव है।

दस्तावेज़ों में शामिल हैः सरकारी कर्मचारी/पेंशनधारकों का पहचान पत्रः बिहार जाति सर्वे 2022 के अनुसार केवल 20.49 लाख लोग सरकारी सेवा में हैं, जो राज्य की कुल जनसंख्या का सिर्फ 1.57 प्रतिशत है।

01.07.1987 से पहले भारत सरकार/स्थानीय निकायों/बैंकों आदि द्वारा जारी कोई प्रमाणपत्रः आम आदमी के लिए यह असंभव सी मांग है।

जन्म प्रमाणपत्र, जो राज्य सरकार द्वारा नियुक्त स्थानीय जन्म और मृत्यु पंजीयक द्वारा (बर्थ्स एण्ड डैथ्स एक्ट), 1969 के तहत जारी किए जाते हैं, 18 साल पहले दुर्लभ थे। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रक्रिया में पंचायत सचिव, ब्लॉक विकास अधिकारी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी शामिल होते हैं। शहरी क्षेत्रों में यह नगर निगम और परिषदों द्वारा पूरी होती है।

नियमों के अनुसार, अगर समय पर रिपोर्ट किया गया हो तो जन्म प्रमाणपत्र जारी होने में कुछ ही दिनों का समय लगता है, लेकिन अगर देरी हो तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा समाप्त हुई

भुवनेश्वर, 05 जुलाई। ओड़ीशा के पुरी में शनिवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा का भव्य समापन हुआ।

इस अवसर पर आध्यात्मिक उत्साह से सराबोर लाखों श्रद्धालु आज भगवान जगन्नाथ की 'बाहुदा यात्रा'

- भगवान जगन्नाथ अपने भाई -बहिन के साथ गुंडिचा मंदिर से जगन्नाथ मंदिर लौट गए हैं। इस अवसर पर लाखों भक्तगण मौजूद थे।

(वापसी रथ उत्सव) देखने के लिए तीर्थ नगरी पुरी में उमड़ पड़े।

भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र के रथों को भक्तों द्वारा खींचा गया, जिससे पूरा भव्य मार्ग जय जगन्नाथ के नारों और झांझ की थाप के बीच गूंज उठा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

55 साल की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने जहर खाकर आत्महत्या की

आत्महत्या से पहले वीडियो बनाया, विभाग के अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया

- बेटे ने पुलिस को बताया कि अधिकारी मां के स्थान पर किसी और की नियुक्ति करना चाहते थे
- आरोप है कि मां से नौकरी बचाने की एवज में डेढ़ लाख रुपए की डिमांड की जा रही थी
- घटना को लेकर जैन समाज ने प्रदर्शन करते हुए दोषियों को गिरफ्तार करने तथा मृतका के पुत्र अथवा पुत्री को सरकारी नौकरी देने की मांग की

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में 55 साल की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले वीडियो बनाया जिसमें विभाग के अफसरों पर टॉर्चर करने के आरोप लगाए। बेटे ने पुलिस को बताया कि अधिकारी मां के स्थान पर किसी और की नियुक्ति करना चाहते थे। मां से नौकरी बचाने की एवज में डेढ़ लाख रुपए की डिमांड की जा रही थी।

घटना उदयपुर के धानमंडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात 10 बजे के करीब देहलीगेट हनुमान मंदिर की है। महिला ने यहीं जहर खाकर वीडियो बनाया और बेटे को कॉल कर जहर खाने की बात बताई। मौके पर पहुंचे परिजन महिला को जिला हॉस्पिटल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन भी हॉस्पिटल पहुंचे, जहां परिजन ने अधिकारियों की शिकायत की। धानमंडी पुलिस ने बताया अंजुबाला (55) पत्नी रतनलाल दलाल उदयपुर में सज्जनगढ़ रोड भीलू राणा आंगनबाड़ी में कार्यरत थीं। वे राताखेता श्रीजी पब्लिक स्कूल के पास रहती थी। शुक्रवार देहलीगेट हनुमान मंदिर के पास से उन्होंने बेटे अनमोल दलाल को कॉल किया।अंजुबाला ने बेटे को बताया कि उन्होंने जहर खा लिया है। परिवार के लोग तुरंत देहलीगेट मंदिर पहुंचे। वहां मां बेसुध हालात में मिली। उन्हें वे जिला हॉस्पिटल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

बेटे अनमोल दलाल ने आरोप लगाया आंगनबाडी में काम को लेकर मां अंजुबाला को विभाग के अधिकारी शारदा बंशीवाल, जया वीरवाल, दिनेश मीणा एवं आंगनबाडी कार्यकर्त्ता अतिका मानसिक रूप से प्रताडित कर रहे थे। वे मां के स्थान पर अपने चहेते को नियुक्त करना चाहते थे। मां से कहते थे कि नौकरी करने है तो डेढ लाख रुपए देने होंगे। इससे मां बहुत परेशान थी। उन्होंने यह बात मुझे भी बताई और वीडियो बनाकर भी कही।बेटे अनमोल दलाल ने मामले की रिपोर्ट धानमंडी थाने में दर्ज कराई। महिला के परिजन ने उच्च अधिकारियों को प्रताडति किए जाने की शिकायत की। धार्मिक भेदभाव का भी आरोप लगाया। परिजनों ने पुलिस को महिला का वीडियो उपलब्ध कराया है।

महिला का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें वह अधिकारियों की प्रताड़ना से तंग आकर जहर खाकर सुसाइड करने की बात कह रही है। अपने विभाग के अफसरों पर गंभीर आरोप भी लगाए। कहा कि अफसरों ने मानसिक रूप से इतना परेशान कर दिया कि मजबूरी में आत्महत्या कर रही हूं। घटना के विरोध में शुक्रवार रात उदयपुर जिला अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत किया। मृतक महिला की बेटी निशा पितलिया के अनुसार जया वीरवाल (भतीजी) और शारदा बंशीवाल (बूआ) दोनों बूआ-भतीजी हैं। दोनों महिला एवं बाल विकास विभाग में सुवरवाइजर हैं। दिनेश मीणा विभाग में बाबू है और अतीका आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है। इन लोगों ने मेरी मां को बहुत प्रताड़ित किया। कई बार मेरी मां उनके साथ ही पीड़ा बताती थी कि मुझे ये लोग बहुत परेशान करते हैं। मुझे हटाकर किसी और को कार्यकर्ता को लगाने का दबाव बना रहे हैं। निशा ने बताया कि हम तीन बहन और एक भाई हैं। जिसमें मैं सबसे छोटी बेटी हूं।

घटना को लेकर जैन समाज ने शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए दोषियों को गिरफ्तार करने तथा मृतका के पुत्र अथवा पुत्री को सरकारी नौकरी देने की मांग की। शनिवार को समझाइश के बाद एमबी हॉस्पिटल मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया।

दो लोगों की हत्या की तैयारी कर रहा युवक गिरफ्तार

- पुलिस ने युवक के कब्जे से पिस्टल, छह जिंदा कारतूस बरामद किये

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कारोई थाना क्षेत्र में दो लोगों की हत्या की तैयारी कर रहे युवक को पुलिस ने पिस्टल और छह जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया।

कारोई थाना प्रभारी सुरेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि शुक्रवार को थाने पर मुखबिर से सूचना मिली कि सोपुरा में टी पॉइंट पर किराणा की दुकान के पीछे रहने वाले एक व्यक्ति के पास पिस्टल हो सकती है। सूचना पर थाना प्रभारी राठौड़ मय जाब्ता सोपुरा पहुंचे और किराणा की दुकान के पीछे की ओर जाने लगे, तभी एक व्यक्ति आता दिखा, जिसके कंधे पर काले रंग का बैग लटका हुआ था। वह पुलिस को देखकर सकपका गया और तेज कदमों से चलकर वापस जाने लगा। पुलिस ने उसे घेरा डालकर पकड़ा और पूछताछ की तो उसने खुद को सोपुरा निवासी शंकरपुरी (25) पुत्र श्यामपुरी गोस्वामी होना बताया। पुलिस ने संदेह के आधार पर बैग की तलाशी ली तो उसमें एक पिस्टल मय मैग्जजीन व एक थैली में छह जिंदा कारतूस व एक खाली मैग्जीन मिली। हथियार अवैध होने से पुलिस ने जब्त कर युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस पूछताछ में उसने कबूल किया कि दिसम्बर 2024 व जनवरी 2025 में दौलपुरा के कैलाश गुर्जर एवं प्रकाश गुर्जर उसके, उसके पिता श्यामपुरी एवं अंकल के लड़के बुद्ध पुरी के साथ लड़ाई-झगड़ा कर मारपीट की थी। इसका बदला लेने के लिए वह झालना (महाराष्ट्र) से यह पिस्टल और छह जिन्दा कारतूस खरीद कर तीन जुलाई को अपने गांव सोपुरा आ गया। आरोपित ने कबूल किया कि वह कैलाश व प्रकाश गुर्जर को जान से मारने के लिए इनकी लोकेशन का इंतजार कर रहा था।

शेरसिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी न्यायिक हिरासत में

हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद, फरार आरोपी माउंट आबू से गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले के बहुचर्चित शेरसिंह हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी रामसिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया है।

यह था मामला :- शेरसिंह की हत्या 24 जून को प्रतापपुरा पुलिया पर हुई थी। पुलिस जाँच में सामने आया कि इस हत्या का मुख्य आरोपी रामसिंह है, जो मृतक शेरसिंह की पत्नी प्रमोद कंवर का प्रेमी है। पुलिस के अनुसार रामसिंह और प्रमोद कंवर ने मिलकर शेरसिंह की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस की प्रारंभिक जाँच में खुलासा हुआ है कि रामसिंह और प्रमोद कंवर के बीच पिछले 14 साल से प्रेम संबंध थे। शेरसिंह इन संबंधों में बाधक बन रहा था, जिसके चलते दोनों ने मिलकर उसकी हत्या करने की योजना बनाई। घटना के बाद से रामसिंह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस से बचने के लिए वह अहमदाबाद, मुंबई, सूरत और माउंट आबू जैसी जगहों पर छिपता रहा। पुलिस ने तकनीकी सहायता और सीसीटीवी फुटेज की मदद से उसे माउंटआबू से धर दबोचा। इस मामले में रामसिंह के अलावा तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। कांकरोली थानाधिकारी हंसाराम सीरवी ने बताया कि पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही अन्य तथ्यों का भी खुलासा होगा।

पूर्व सीएम गहलोत ने मेरी दिवंगत माता पर जो आरोप लगाए थे, वे पूरी तरह निराधार : शेखावत

'अब अशोक गहलोत ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और मीडिया के जरिए मुझे संदेश भेज रहे हैं, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है'

- केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर व्यक्तिगत आक्षेपों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। शनिवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में शेखावत ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा इसी सर्किट हाउस में मेरी दिवंगत माता पर जो गंभीर आरोप लगाए थे, वे पूरी तरह निराधार और निंदनीय हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब अशोक गहलोत ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और मीडिया के जरिए मुझे संदेश भेज रहे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। शेखावत ने स्पष्ट किया कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत सम्मान और परिवार की गरिमा से जुड़ा मामला मानते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार पर संविधान से छेड़छाड़ के आरोप लगाना बिल्कुल भी शोभनीय नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा अल्पसंख्यकों को 'पहला अधिकार' देने की बात को कौन भूल सकता है? इसलिए पहले कांग्रेस को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए, उसके बाद भाजपा पर कोई आरोप लगाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा आपातकाल पर माफी मांगने से जुड़े सवाल पर भी शेखावत ने कड़ा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि क्या जबरन नसबंदी के शिकार लोग उस अमानवीयता को भूल पाएंगे? क्या उनका कोई कसूर था? यह विषय क्षमा योग्य नहीं है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत दो टूक कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने केवल अपनी सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा। उन्होंने कहा कि लंबी गुलामी और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बाद भारत को आजादी मिली। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक इतिहास में देश की गौरवशाली परंपराओं के प्रमाण मिलते हैं। हमारा संविधान दुनिया का सबसे सजीव और प्रगतिशील संविधान है, जो 1950 में लागू हुआ। इसी के साथ नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी प्राप्त हुई, लेकिन देश पर थोपे गए आपातकाल के दौरान हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया। मीडिया पर घोषित और अघोषित प्रतिबंध लगाए गए। पत्रकारों को जेल भेजा गया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी दबा दिया गया।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आजादी के बाद के शासनकाल में हुए जनांदोलनों को नकारा नहीं जा सकता। 1977 में जब जनता ने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई, तब जाकर लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई। आज वही लोग मीडिया की स्वतंत्रता की बात करते हैं, जिन्होंने उस दौर में मीडिया का गला घोंट दिया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में संविधान पर कोई हमला नहीं हो, उसको लेकर भाजपा जनजागरण कर रही है।

अवैध खनन कर ला रहा डंपर जब्त

रूपनगढ़, (निसं)। रूपनगढ़ थाना पुलिस ने अवैध खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डंपर को जब्त किया है। थाना प्रभारी सत्यवान सिंह मीणा ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त दौरान सुरसुरा ग्राम के पहाड़ी रास्ते से आते एक संदिग्ध डंपर को रोका गया, जिसकी आगे और पीछे की नंबर प्लेट गायब थी। पूछताछ के दौरान चालक ने डंपर का नंबर बताया। पुलिस द्वारा ऐप के माध्यम से जांच करने पर नंबर सही पाया गया, लेकिन डंपर में भरे पत्थर, गिट्टी और मिट्टी के मिश्रण की जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ कि सामग्री अवैध रूप से पहाड़ी क्षेत्र से खनन की गई है। जब चालक से वाहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उक्त डंपर को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत जब्त करते हुए थाना परिसर में खड़ा कर दिया। साथ ही अवैध खनिज सामग्री को लेकर पृथक से कार्रवाई हेतु खनिज विभाग को सूचित कर दिया गया है। पुलिस टीम में थानाधिकारी सत्यवान सिंह मीणा के नेतृत्व में की बनवारीलाल, सहायक उप निरीक्षक कांस्टेबल विजय कुमार, बनवारीलाल, राजेन्द्र प्रसाद, चालक ने कार्रवाई की।

ऑनलाइन ठगी कर नगदी निकाली

मदनगंज किशनगढ़, (निसं)। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने ऑनलाइन धोखाधड़ी कर बैंक खाते से 1.7 लाख रुपए निकालने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ अंराई थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। धौलपुरिया निवासी पीड़ित मंगलराम जांगिड़ ने एडवोकेट रूपेश शर्मा के जरिए न्यायलय में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि अज्ञात बदमाश ने धोखाधड़ी पूर्वक बैंक अकाउंट को हैक कर एक लाख सात हजार रुपए ऑनलाइन निकाल लिये। अदालत ने एडवोकेट शर्मा के तर्कों से सहमत होते हुए आरोपी के खिलाफ साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले के कांकरोली पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताड कर मामले की जांच कर रही है।

थाना अंतर्गत मोही में ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के मामले में पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई करते हुए युवकों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हंसाराम सीरवी ने बताया कि मोही निवासी पीडित मुकेश धोबी ने 1 जुलाई को ट्रैक्टर ट्रॉली चोरी की शिकायत दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए पुलिस टीम का गठन किया।

गठित पुलिस ठीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिसमें रमेश पूर्बिया और कमल कीर को डिटेंन किया गया। कड़ी पूछताछ की गई है जिसमें उन्होंने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करना कबूल किया है, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज व संदिग्धों के स्थान पर दबिश देते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेंट्रल जेल का निरिक्षण करने पहुंची विजया राहटकर

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर शनिवार को जोधपुर प्रवास पर रही। अपने दौरे के दौरान विजया राहटकर सुबह सेंट्रल जेल पहुंची।

उन्होंने कहा कि जब तक समाज में महिलाओं के प्रति बुरी सोच में बदलाव नहीं आता, तब तक महिलाओं को समान अधिकार दिलाने का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार और कानून अपनी ओर से पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन समाज में व्याप्त संकीर्ण मानसिकता महिलाओं की प्रगति में बाधक बनती है, जिससे अनेक बार महिलाओं का अपमान सहन करना पड़ता है और उनके अधिकारों का हनन होता है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि समाज स्तर पर ही सोच बदलने की प्रक्रिया शुरू हो।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में पुलिस को और भी अधिक संवेदनशील होकर कार्य करना चाहिए ताकि पीड़ित महिलाओं को न्याय मिल सके। वहीं, महिलाओं द्वारा आपराधिक कदम उठाए जाने के मामलों पर उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कुछेक घटनाओं के आधार पर महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन वास्तविक पीड़ित महिलाओं की आवाज को प्रमुखता से उठाना चाहिए, जिन पर अत्याचार हो रहा है।

राहटकर ने जोधपुर सेंट्रल जेल में महिला कैदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं व आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा उन्हें महिला अधिकारों के प्रति जागरूक किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल में महिला कैदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। इस दौरान उन्होंने जेल अधीक्षक प्रदीप लखावत, महिला जेल डिप्टी जेलर लीला प्रजापत से भी चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने महिला बंदियों को उनके कानूनी अधिकार समझाते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या शोषण की स्थिति में शिकायत करने से न डरें। निरीक्षण से पूर्व उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर (फ़ास्ट ट्रैक) जोधपुर मधुलिका सिंवर, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग जोधपुर समदरसिंह भाटी सहित जिला प्रशासन, पुलिस के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया

डॉक्टर के पास गई थी महिला, पीछे से घर सूना था

- एक लाख नकद सहित जेवरात पर हाथ साफ किया

अजमेर, (कासं)। शहर में सक्रिय चोर गिरोह के हौंसलते इतने बुलंद हो गए हैं कि अब दिनदहाड़े चोरी की वारदात अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शनिवार को रामगंज थाना क्षेत्र का सामने आया, जहां सोमलपुर में अज्ञात नकबजनों दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देकर एक तोला सोना, चांदी और एक लाख रुपए नकद पर हाथ साफ कर दिया।

सोमलपुर निवासी पीड़िता महिला ने रामगंज थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपने बीमार पति पीर मोहम्मद को डॉक्टर के पास दिखाने गई थी, दो साल से पति लकवे की बीमारी से ग्रस्त है और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर है। पति के इलाज के लिए जो रकम उन्होंने जमा की थी, वह भी चोर चुरा ले गए। परिवार में छोटे-छोटे बच्चे हैं और उनकी देखभाल का बोझ भी कमला पर ही है। पीड़िता ने बताया कि जब वह डॉक्टर से वापस लौटी तो घर का ताला टूटा मिला और सारा सामान बिखरा पड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही रामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

लाखों की नगदी और जेवर सहित दस्तावेज चोरी

परिवार तीन जुलाई को जयपुर गया हुआ था और शनिवार देर रात घर लौटने पर चोरी का पता चला

- पीड़ित परिवार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर शहर में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं, जिससे पुलिस की गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अटलबंध थाना क्षेत्र स्थित सेटेलाइट अस्पताल के पास प्रकाश सोनी के मकान में अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, नगदी, मोबाइल फोन और जरूरी कागजात चोरी कर लिए। परिवार तीन जुलाई को जयपुर गया हुआ था और शनिवार देर रात घर लौटने पर चोरी का पता चला।

पीड़ित परिवार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अटल बंद थाना क्षेत्र में मामला दर्ज करा दिया है पुलिस जांच में जुट गई है। पीड़ित प्रकाश सोनी ने बताया कि वह तीन जुलाई को अपने परिवार के साथ जयपुर गया था, शनिवार देर रात जब वे घर लौटे तो देखा कि मकान के मुख्य दरवाजे के ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर पहुंचने पर कमरे की आलमारी का लॉक टूटा हुआ था जिसके पास एक हथौड़ा और आरी पड़ी थी, आलमारी में रखे लाखों रुपये , सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन और जमीन से संबंधित कागज चोर अपने साथ ले गए। पीड़ित ने घटना की सूचना अटलबंध थाना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अज्ञात चोरों की तलाश में लगे हुए हैं, चोरों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा जा रहा है। चोरी की घटनाओं को लेकर के स्थानीय लोगों ने नाराजगी भी जताई है।

ट्रक से 168 किलो डोडा-चूरा जब्त, एक गिरफ्तार

ट्रक से जब्त अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा के बैग।

- वहीं एक किलो अफीम सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया
- केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। राजस्थान में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उसी अभियान के तहत केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ट्रक से अवैध मादक पदार्थ 168 किलो डोडा-चूरा को जब्त किया। वहीं (सीबीएन) की दूसरी टीम ने कार से एक किलो अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद की। यह दोनों कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरा के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ट्रक से नारायणपुरा टोल प्लाजा होता हुआ चित्तौड़गढ़-उदयपुर राजमार्ग, चित्तौड़गढ़ पर अवैध डोडा-चूरा ले जा रहा है। उपनारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों की टीम का गठन किया गया और टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और मुखबीर द्वारा बताये गये वाहन की सफलतापूर्वक पहचान करने के बाद निवारक दल ने उसे रुकने का इशारा किया और टीम द्वारा ट्रक की तलाशी ली गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम ने तलाशी के दौरान ट्रक से 9 बैग अवैध डोडा-चूरा 168.120 किलोग्राम बरामद किया। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध डोडा-चूरा और ट्रक को जब्त कर लिया और एन.डी.पी.एस. एक्ट में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

एक किलो अफीम बरामद :- केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने अन्य स्थान पर कार्रवाई करते हुए कार से अवैध मादक पदार्थ एक किलो अफीम बरामद की।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ऑल्टो से जिला प्रतापगढ़ के तहसील छोटी सादड़ी चरलिया पर अवैध अफीम की तस्करी करेगा। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), प्रतापगढ़ डिविजन द्वितीय और प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों की संयुक्त टीम का गठन किया गया और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और वाहन की सफलतापूर्वक पहचान करने के बाद निवारक दल ने उसे रुकने का इशारा किया और तलाशी ली गई। गठित टीम ने तलाशी के दौरान कार से एक किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की और वाहन को जब्त कर लिया और एन.डी.पी.एस. एक्ट में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

हनीट्रैप मामले में महिला गिरफ्तार, 25 लाख रुपए ऐंठे

- शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षक को बलात्कार केस में फंसाने की धमकी दी थी, न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

पावटा, (निसं)। बानसूर थाना पुलिस ने एक 44 वर्षीय महिला को हनीट्रैप और साइबर ब्लैकमेलिंग के गंभीर मामले में गिरफ्तार किया है। महिला पर आरोप है कि वह शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षक को बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने के नाम पर धमकी देकर लाखों रुपए ऐंठ रही थी।

जिला कोटपुतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत, उपमहानिरिक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली एवं वृत्ताधिकारी वृत्त बानसूर के सुपरविजन व बानसूर थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक ने हनीट्रैप मामले में मुल्जिमा चेतना गुप्ता को गिरफ्तार किया है। बानसूर थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि परिवादी ने 23 जून को मुल्जिमा चेतना गुप्ता के खिलाफ बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने के नाम पर रुपए ऐंठने का अभियोग दर्ज करवाया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए मुल्जिमा चेतना गुप्ता को बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में दाखिल करवाया गया है। गिरफ्तारी की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुरेंद्र मलिक के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने अहम भूमिका निभाई। टीम में महिला कॉन्स्टेबल नरेश कालिका यूनिट थाना बानसूर, महिला कॉन्स्टेबल सोना कालिका यूनिट थाना बानसूर, रविन्द्र सिंह कांस्टेबल बानसूर थाना शामिल थे।

तीन युगल शांतिभंग में गिरफ्तार : कोटा के अन्नतपुरा पुलिस टीम ने इलाके में स्थित एक होटल पर कार्रवाई करते हुए होटल में बिना आईडी के रूकने पर तीन युगल को शांति भंग में गिरफ्तार किया साथ ही पुलिस ने होटल के संचालक व मैनेजर को भी गिरफ्तार किया है। शहर एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि अन्नतपुरा क्षेत्र में स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में होटलों में छात्र-छात्राओं व बाहरी लोगों के बिना आईडी व बगैर आपसी सम्बन्ध के रूकने की शिकायत मिलने पर अन्नतपुरा पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित लव होटल को चैक किया तो होटल में तीन युगल बगैर आईडी के होटल में रूकना पाया गया। शहर एसपी ने बताया कि जिस पर पुलिस टीम ने युगल को शांतिभंग में गिरफ्तार किया। साथ ही पुलिस ने कार्यवाही करते हुए होटल संचालक मुकेश व होटल के मैनेजर को भी गिरफ्तार किया है।

रत्नगर्भा जयपुर की चमक एक बार फिर वैश्विक पटल पर बिखरी : देवनानी

19वीं जेम्स एंड ज्वैलरी प्रदर्शनी में देवनानी का अभिनंदन

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विश्व भर में गुलाबी नगर के साथ रत्न नगरी से पहचान रखने वाला जयपुर जेम्स और ज्वैलरी की शिल्प परंपरा और आभूषण कौशल के साथ वैश्विक मंच पर दमक उठा है। देवनानी ने शनिवार को सीतापुरा स्थित जयपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय 19वीं जेम्स एंड ज्वैलरी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। देवनानी ने कहा कि एक नई चमक और नये आयामों के साथ इस आयोजन ने न केवल व्यापारिक समन्वय को गति दी है, बल्कि जयपुर की पारंपरिक एवं नवाचार युक्त शिल्पकला को वैश्विक मानचित्र पर और सशक्त किया है।

देवनानी ने जयपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय 19वीं जेम्स एंड ज्वैलरी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

- 'एक नई चमक और नये आयामों के साथ इस आयोजन ने न केवल व्यापारिक समन्वय को गति दी है'
- विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदर्शनी स्थल का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदर्शनी स्थल का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। देवनानी का समारोह स्थल पहुंचने पर ज्वैलरी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। देवनानी ने कहा कि जयपुर में हो रहे इस आयोजन से आभूषण के व्यापार के साथ राज्य की सांस्कृतिक वैभवता को भी नई पहचान मिल रही है। यह मंच वैश्विक संवाद और नवाचार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। देवनानी ने प्रदर्शनी में 310 से अधिक काउंटर पर जाकर देश-विदेश के ख्यातनाम कारीगरों, डीलरों और जेम्स ज्वैलरी कारोबारियों की उत्कृष्ट कृतियों को देखा।

बारीक नक्काशी से लेकर आधुनिक डिजाइनों तक के आभूषणों की यह प्रदर्शनी शिल्पकला और सौंदर्य का अनुपम संगम है।विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विश्व के विभिन्न देशों के निवेशक, खरीददार और प्रतिनिधियों ने इस आयोजन में भाग लिया। देवनानी ने कहा कि यह प्रदर्शनी राज्य में व्यापारिक अवसरों को सशक्त करने के साथ जयपुर की युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा का माध्यम है। देवनानी ने आयोजन समिति, जेम्स एंड ज्वैलरी एसोसिएशन और सभी शिल्पकारों को इस भव्य, सुव्यवस्थित एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

'समस्याओं का समय पर समाधान ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है'

- विद्याधर नगर विधानसभा में विकास कार्यों की समीक्षा हेतु उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने ली रिव्यू मीटिंग

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए रिव्यू मीटिंग ली। बैठक में जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम ग्रेटर, एनएचएआई, रीको, पीडब्ल्यूडी, जलदाय विभाग, वन विभाग, शिक्षा, पुलिस और मेट्रो प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कई प्राथमिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सड़कों की स्थिति, जलभराव की समस्या, सीवरेज और ड्रेनेज कार्यों की प्रगति, ऑक्सीजन पार्क, बीआरटीएस कॉरिडोर, पेयजल पाइपलाइन, अतिक्रमण हटाने और पुलिया निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

विद्याधर नगर की सड़कों और जल भराव से संबंधित प्रस्तावों की स्वीकृति व वर्तमान स्थिति। बीआरटीएस कॉरिडोर, सीकर रोड वर्क और ड्रेनेज कार्य की प्रगति रिपोर्ट। ऑक्सीजन पार्क की स्थिति, बजट में घोषित कार्यों की अद्यतन जानकारी, कई वार्डों में सीवरेज और ड्रेनेज प्लान को शीघ्र लागू करने के निर्देश, बारिश के मौसम को देखते हुए जलभराव वाले क्षेत्रों की तत्काल पहचान और समाधान के निर्देश, अवैध अतिक्रमण हटाकर प्रस्तावित सड़कों का निर्माण शीघ्र कराने के निर्देश, हरमाड़ा, मुरलीपुरा सेटेलाइट हॉस्पिटल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित मेडिकल परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की।

राजस्थान के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को शासन सचिवालय में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उपमुख्यमंत्री को पदभार ग्रहण की जानकारी दी और शुभकामनाएं प्राप्त कीं।

विप्र गौरव दिवस के रूप में मनाया ओझा का जन्मदिन

जयपुर। विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा का जन्म दिन विप्र गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। जयपुर में इस दिवस को खास बनाने के लिए गायों को हरा चारा, वृक्षारोपण, तुलसी पौधों का वितरण और मोदक भोग लगा ओझा के दीर्घायु की कामना की गई।

विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ की ओर से मुकेश शर्मा के नेतृत्व में जहां गोल्यावास स्थित निमड़ी के बालाजी के मोदक का भोग लगा ओझा की दीर्घायु के लिए विशेष पूजा अर्चना कर वृंदा तुलसी के पौधों का वितरण किया गया, विप्र गौरव दिवस के इन आयोजनों में परशुराम ज्ञानपीठ संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व हरि प्रसाद शर्मा, पूर्व लक्ष्मण गौड़, पूर्व शिव लाल शर्मा, पूर्व एवं के सदस्य सुधीर शर्मा , विप्र फाउंडेशन राजस्थान जॉन 1 के संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, ,बनवारी लाल शर्मा ,कपिल शर्मा ,अवधेश शर्मा ,रामबाबू शर्मा ,रामवतार शर्मा ,कमल शर्मा आदि मौजूद रहे।

राज्य सरकार को बड़ी राहत, 50.28 करोड़ रुपए ब्याज सहित अदा करने का आदेश रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ी राहत देते हुए आर्बिट्रेटर के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत राज्य सरकार को रोड निर्माण करने वाली फर्म को 50.28 करोड़ रुपए से अधिक की राशि ब्याज सहित अदा करनी थी। हालांकि अदालत ने जनवरी, 2012 तक वसूली गई टोल राशि पर रोड निर्माता फर्म का अधिकार माना है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप तनेजा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने बीओटी आधार पर पाली बायपास, जोधपुर-सुमेरपुर रोड निर्माण का ठेका साल 2003 में सांवरिया इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. को दिया था। निर्माता फर्म को 18 माह में रोड निर्माण कर 52 माह टोल राशि वसूल करनी थी। रोड निर्माण के लिए राज्य सरकार ने अधिकांश भूमि निर्माता फर्म को सौंप दी। वहीं शेष भूमि भी कुछ माह बाद रोड निर्माण के लिए दी गई।

निर्माता फर्म ने रोड निर्माण कर 3 मई, 2006 से टोल वसूली भी आरंभ कर दी। वहीं समयावधि को लेकर निर्माता फर्म का विवाद हो गया। आखिर में मामला आर्बिट्रेटर तक पहुंचा।

आर्बिट्रेटर ने साल 2019 में फर्म के पक्ष में फैसला देते हुए साल 2012 तक वसूली गई टोल राशि पर फर्म का अधिकार माना और रेलवे लाइन बंद नहीं करने के आधार पर क्षतिपूर्ति के तौर पर फर्म के पक्ष में 50.28 करोड़ रुपए ब्याज सहित अदा करने को कहा। वहीं तीन माह में इस राशि का भुगतान नहीं करने पर 12 फीसदी ब्याज भी अदा करने के आदेश दिए।

इस आदेश को राज्य सरकार ने कमर्शियल कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया। इसके खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर की। अपील में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच हुए करार में रेलवे लाइन बंद करने की कोई शर्त नहीं थी। वहीं रोड निर्माण के लिए जमीन का अधिकांश हिस्सा फर्म को सुपुर्द कर दिया था। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने क्षतिपूर्ति के तौर पर 50.28 लाख रुपए ब्याज सहित अदा करने के आर्बिट्रेटर के आदेश को रद्द कर दिया है।

अंत्योदय शिविर का निरीक्षण

अलवर। जिला कलक्टर के निर्देशन पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम मुकेश कायथवाल ने ग्राम पंचायत हाजीपुर, कस्बा डेहरा व चांदोली एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर ने नौगांवा की ग्राम पंचायत चीडवा में पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का निरीक्षण कर शिविर में आमजन के आ रहे काम का फीडबैक लिया। उन्होंने लाभार्थियों एवं आमजन से बातचीत कर शिविर में लाभ प्राप्त करने की जानकारी ली।

मोहर्रम आज, ताजियों का जुलूस निकलेगा

जयपुर। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम रविवार को पूरे राजस्थान में अकीदत और गमगीन माहौल के बीच मनाया जाएगा। राजधानी जयपुर में इस अवसर पर 400 छोटे-बड़े ताजियों का जुलूस निकलेगा, जिसमें सोने और चांदी से सुसज्जित ताजिये विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इससे पहले शनिवार की रात को कत्ल की रात के रूप में मनाया गया।

- सोने और चांदी से सुसज्जित ताजिये विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे
- शनिवार रात कत्ल की रात के रूप में मनाई

विभिन्न इलाकों से ताजियों को बाहर लाया गया। ढोल-नगाड़ों और मातमी धुनों के साथ यह ताजियों को देर रात तक गलियों और चौपड़ों में भ्रमण कराया गया। कत्ल की रात में मातम मनाया गया। रामगंज, भट्टा बस्ती, जालूपुरा, एमडी रोड, शास्त्री नगर, चार दरवाजा, ईदगाह रोड, संसार चंद्र रोड सहित अन्य इलाकों में ताजियों की रौनक देखते ही बन रही थी। इन ताजियों में विश्व प्रसिद्ध मस्जिदों और दरगाहों की कलाकृतियां दर्शाई गई।

जयपुर पुलिस ने इस धार्मिक अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। क्यूआरटी, ईआरटी, एसटीएफ, ट्रैफिक पुलिस, होमगार्ड सहित विशेष दस्तों को संवेदनशील इलाकों में लगाया गया है। ड्रोन के जरिए भी निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

'नेताओं को नेता बनने का निर्णय खुद को लेना होता है'

- जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने पीजीडीएम बैच 2025-27 के इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ किया

जयपुर। जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर ने पीजीडीएम बैच 2025-27 के इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके मैनेजमेंट सफर के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में आरुषि भल्ला, मैनेजिंग डायरेक्टर - ने छात्रों को एक्सपोनेंशियल माइंडसेट अपनाने, लगातार सीखते रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने और जिज्ञासु बने रहने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि मार्गदर्शक से सीखना और उद्योग के बदलते रुझानों से अपडेट रहना एक कुशल लीडर की निशानी है।

इसकी शुरुआत में काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट और स्पीकर अग्रता शुक्ला और ऑर्मेक्स कंसल्टेंट्स प्रा. लि. के डायरेक्टर अश्विन डॉक्टर ने बिजनेसेज और माइक्रो-हैबिट्स पर विचार साझा किए। उन्होंने छात्रों को चिंता से बाहर निकलने और सकारात्मक दिनचर्या बनाने की प्रेरणा दी। डॉ. प्रभात पंकज, डायरेक्टर, जयपुरिया, जयपुर ने छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए जयपुरिया की पाँच मूल आदर्शों-प्रसन्नचित्तता, अच्छा पहनावा, ईमानदारी, समयपालन और कठिन परिश्रम- की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. शिवा कक्कड़, वाइस प्रेसिडेंट - इनसाइट्स ने मैनेजर्स के लिए जनरेटिव विषय पर सत्र लेते हुए छात्रों को के भविष्य, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और आवश्यक डिजिटल स्किल्स से अवगत कराया। दीप्ति मेहता, चीफ एचआर ऑफिसर- इंटरफेस माइक्रोसिस्टम ने भी अपने विचार साझा किए।

डॉ. रमज़ान समा (डीन रिसर्च) और डॉ. मनप्रीत कौर (प्रोग्राम चेयर, पीजीडीएम द्वितीय वर्ष) ने शोध कार्य की उपयोगिता को रेखांकित किया। वहीं डॉ. उषा बधेड़ा और आईटी टीम ने छात्रों को संस्थान की डिजिटल सेवाओं की जानकारी दी।

छात्र गतिविधियों के महत्व को उजागर करते हुए, डॉ. लोकेश विजयवर्गीय (डीन-स्टूडेंट अफेयर्स), यदुराज (सीनियर एग्जीक्यूटिव, स्टूडेंट अफेयर्स व मीडिया रिलेशन्स), और मुख्य अतिथि अर्णव सच्चदे ने क्लब्स और कमेटियों की भूमिका को छात्रों के नेतृत्व विकास से जोड़ा। करण बहल, फाउंडर एवं सीईओ- तथा सुरजा किशोर, सीईओ- इंडिया और टीम इंडिया ने लीडरशिप में स्टोरीटेलिंग की शक्ति को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। आर्ट ऑफ लिविंग के सौरभ शेखावत ने संगीत ध्यान सत्र के माध्यम से माइंडफुलनेस और आंतरिक शांति का अनुभव कराया।

कार्यक्रम में सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें जयसुख सुथार (एचसीएल), साक्षी अग्रवाल (अमेरिकन एक्सप्रेस), विशाल सावलानी (अमेज़ॉन) और आरती छाबड़ा (हीरो फिनकॉर्प) ने अपने अनुभव साझा करते हुए संचार, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, री-स्किलिंग और परिश्रम के महत्व पर जोर दिया। डॉ. अन्वय भार्गव ने सत्र का संचालन करते हुए नेटवर्किंग को भविष्य की सफलता की कुंजी बताया। दिन का समापन टीम द्वारा लिए गए सत्र से हुआ।

राहगीरों के विश्राम के लिए टीन शेड एवं कुर्सियां लगाई

जयपुर। टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट की ओर से सेवा कार्य निरंतर जारी है। टीम 39 के प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी व मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट की प्रेरणा से बियानी परिवार (नावां वाले) के द्वारा उनके माता-पिता स्वर्गीय श्री गौरी शंकर जी बियानी व स्वर्गीय श्रीमती सुमित्रा देवी बियानी की स्मृति में पानीपेच झोटवाड़ा पर राहगीरों के लिए विश्राम स्थल का 20 12 का टीन शेड लगवाकर, कुर्सियां लगाकर निर्माण किया जा रहा है, कई वर्षों से यहां पर विश्राम स्थल का अभाव था, जिससे कई राहगीरों व यात्रियों को छाया व बैठने के लिए व्यवस्था मिलेगी। जिसको टीम 39 की प्रेरणा के द्वारा कुछ समय पहले इसी स्थान के पास में एक पानी की प्याऊ का जीर्णोद्धार भी कराया गया था, जिससे आज हजारों राहगीर जो की इस रूट से गुजरते हैं जिनको स्वच्छ पानी पीने की सुविधा मिलती है, उनके लिए अच्छे से अच्छी व्यवस्था करके बनाई गई है। प्रतिदिन इस प्याऊ पर महिला द्वारा पानी पिलाया जाता है एवं दो वाटर कूलर भी लगाये गए है।

7 जुलाई को 3 घंटे के लिए विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से रहेगी बाधित

जयपुर। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड द्वारा 132 के.वी. जी.एस.एस. थडोली पर स्थापित उपकरणों की प्रिवेंटिव मेंटिनेंस हेतु 7 जुलाई को प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक 3 घंटे का विद्युत शट-डाउन लिया जायेगा। शट-डाउन के दौरान बीसलपुर जयपुर पेयजल परियोजना के इन्टेक पम्प हाउस व सूरजपुरा जल शोधन संयत्र पर विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से बाधित रहेगी, जिसके कारण लगभग 5 घंटे के अन्तराल के बाद पेयजल उत्पादन एवं वितरण प्रणाली सामान्य होगी।

- प्रभावित क्षेत्रों में 7 जुलाई की सायं कालीन पेयजल सप्लाई रहेगी आंशिक बाधित
- आमजन समुचित मात्रा में पेयजल का कर ले संग्रहण

अतिरिक्त मुख्य अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग क्षेत्र द्वितीय जयपुर शुभांशु दीक्षित ने बताया कि शटडाउन के दौरान मालपुरा, झिराना, बस्सी, निवाई, टोंक, फागी, सांभर, फुलेरा, दूदू, जोबनेर और चाकसू क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण एवं जयपुर शहर में प्रतापनगर क्षेत्र, सांगानेर क्षेत्र दुर्गापुरा, मालवीय नगर, बापूनगर, महेशनगर, बरकत नगर, सिविल लाईन ज्योतिनगर, शान्ति नगर, सिन्धी कॉलोनी, आदर्शनगर, जवाहर नगर, ट्रक स्टैंड, मानसरोवर, श्यामनगर, विद्युत नगर, संजय नगर, ऑफिसर कैम्पस, झोटवाड़ा, बी. के. आई. विद्याधर नगर, मुरलीपुरा, शास्त्री नगर, गोपालपाड़ी, बनीपार्क, अम्बाबाड़ी, जगतपुरा, खो नागोरियान, इन्दिरा गाँधी नगर, मुहाना मोड़, जामडोली, सुभाषनगर, सीतापुरा, चारदीवारी क्षेत्र और पृथ्वीराज नगर क्षेत्र की 7 जुलाई की सांयकालीन पेयजल सप्लाई आंशिक रूप से बाधित रहेगी। समस्त पेयजल सप्लाई 8 जुलाई से नियमित रूप से सुचारू होगी।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता ने प्रभावित आमजन से अनुरोध किया है कि समुचित मात्रा में पेयजल संग्रहित कर उपयोग करें।

हेरिटेज निगम आयुक्त ने सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

नगर निगम हेरिटेज जयपुर आयुक्त डॉ निधि पटेल ने देर रात निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज जयपुर आयुक्त डॉ निधि पटेल ने देर रात निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान निगम आयुक्त ने चारदीवारी में चांदपोल, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, चौड़ा रास्ता, जौहरी बाजार में रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था देखी। निगम आयुक्त निधि पटेल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार बंद होने के बाद देर रात में सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया जाएं, जिससे कि यातायात प्रभावित नहीं हो।

साथ ही निगम आयुक्त ने मेन बाजार की मुख्य सड़क से रात में 12 बजे बाद कचरा उठवा कर सफाई व्यवस्था कराने के निर्देश भी दिए। इस दौरान गैराज शाखा उपायुक्त सरिता मल्होत्रा, अधिशाषी अभियंता बलराम मीणा सहित अन्य निगम अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं, निगम आयुक्त ने सिविल लाइन, सोडाला, गुर्जर की थड़ी, श्याम नगर इलाके में मैकेनाइज स्वैपिंग मशीन से की जा रही सफाई व्यवस्था को भी देखा। आयुक्त निधि पटेल ने इस दौरान डुलेवो मशीन का निरीक्षण किया और सफाई के समय स्प्रिंलिंकर के उपयोग के भी निर्देश दिए, जिससे कि सड़क पर धूल उड़कर वापस सड़क पर नहीं जमा हो सकें। इसके अलावा सफाई व्यवस्था में शामिल नए ड्राइवर को भी ट्रेनिंग कराने के निर्देश दिए।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर राइसेम में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर शनिवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'सहकारिता : बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना' शीर्षक से आयोजित सेमिनार में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने विषय सहित सहकारिता की चुनौतियों और संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

- 'बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना' विषय पर सेमिनार आयोजित

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) शिल्पी पांडे ने कहा कि हमें सहकारिता के ध्येय वाक्य एक सबके लिए, सब एक के लिए को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। हम आपस में सहयोग, सहभागिता और जुड़ाव को बनाये रखते हुए एक-दूसरे की मदद करें। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन का दौर है। अनेक प्रकार के परिवर्तन सहकारिता सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे हैं। हमें आगे बढ़ने के लिए इन परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) एवं अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के नोडल अधिकारी संदीप खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह देश में सहकारिता को एक नई पहचान देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता से जुड़ी योजनाओं में राजस्थान बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, जिससे राष्ट्रीय स्तर भी राज्य का विशेष रूप से उल्लेख किया जा रहा है। सहकारिता को राजस्थान को माध्यम से नई पहचान मिल रही है और आगामी समय में राजस्थान देश में मॉडल स्टेट के रूप में उभरेगा।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (मा.सं.वि.) एवं 'सहकार से समृद्धि' के नोडल अधिकारी भोमा राम ने सहकारिता के उद्भव, विकास और इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता की भूमिका केवल विभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक आन्दोलन है। देश में 29 करोड़ लोग और राज्य में प्रत्येक पांचवां व्यक्ति सहकारिता से जुड़े है। इसका और अधिक विस्तार किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्रबनाने में सहकारिता का महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना पर भी विस्तार से प्रकाश डालते कहा कि इसके अंतर्गत डेटा बेस तैयार कर नई नीतियां बनाई जा रही है।

राइसेम के निदेशक रणजीत सिंह चूड़ावत ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 'सहकार से समृद्धि' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना पर आधारित एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें 60 से अधिक पहलों के माध्यम से सहकारिता को सशक्त बनाया जा रहा है। इनमें लगभग 14 पहलें ग्राम सेवा सहकारी समितियों से संबंधित हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सहकारिता का 125 वर्ष पुराना गौरवशाली इतिहास है, इसे हमें और अधिक समृद्ध बनाना है।

'महिला शिक्षा को मिलेगा नया आयाम'

- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर में कन्या महाविद्यालय भवन का लोकार्पण किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 5 करोड़ की लागत से निर्मित राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण तथा 5.42 करोड़ की लागत से द्वितीय चरण के भवन विस्तार कार्य का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि "महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। यह महाविद्यालय भवन इसी दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।"

5 करोड़ की लागत से बने इस भवन का कार्य सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा पूर्ण किया गया है, जिसे जयपुर वास्तुशिल्प के अनुरूप विकसित किया गया है। कुल 25,500 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित भवन में भूतल, प्रथम और द्वितीय तल पर कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लास, स्टाफ रूम, एनसीसी कक्ष, कॉन्फ्रेंस हॉल सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भवन भूकंपरोधी आरसीसी संरचना से निर्मित है और सुगम आवागमन हेतु लिफ्ट की सुविधा भी प्रदान की गई है।

दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु वॉक-वे और हरित पट्टिका भी बनाई गई है। पर्यावरण संतुलन हेतु भवन में पर्याप्त पौधारोपण और ऊर्जा संरक्षण के लिए एलईडी लाइटिंग एवं एएसी ब्लॉक का उपयोग किया गया है। स्मार्ट क्लासरूम, इंटरनेट लॉन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

5.42 करोड़ की लागत से तृतीय तल सहित भवन विस्तार का कार्य किया जाएगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 14,900 वर्ग फुट होगा। इसमें सड़क, पार्किंग और कैंटीन जैसी सहायक संरचनाओं का निर्माण भी शामिल है। महाविद्यालय की सुरक्षा के लिए पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जा रही है।

अविवाहित बताकर शादीशुदा युवक ने किया युवती से दुष्कर्म

- पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने शादी का झांसा देकर कई सालों तक देहशोषण करता रहा। बेटी के बर्थ सर्टिफिकेट पर भी पिता का गलत नाम लिखवाया

जयपुर। आदर्श नगर थाना इलाके में अविवाहित बताकर शादीशुदा युवक ने एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने शादी का झांसा देकर कई सालों तक देहशोषण करता रहा। बेटी के बर्थ सर्टिफिकेट पर भी पिता का गलत नाम लिखवाया। इस संबंध में थाने में पीड़ित युवती ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि आदर्श नगर की रहने वाली युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि साल 2016 में उसकी मुलाकात आरोपित से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपित ने उससे दोस्ती कर ली। आरोप है कि मिलने-जुलने के दौरान आरोपित ने खुद को अविवाहित बताकर शादी करने का ऑफर रखा। शादी करने का वादा कर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। शादीशुदा होते हुए भी झूठ बोलकर उसे शादी करने का झांसा देकर देह शोषण करने लगा। लम्बे समय तक देह शोषण करने पर बेटी का जन्म हुआ। आरोप है कि धोखे में रखते हुए आरोपित ने बेटी के बर्थ सर्टिफिकेट पर पिता का गलत नाम लिखवा दिया। कुछ समय पहले शादीशुदा होने के साथ ही आरोपित के फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट पर फेक पिता नाम अंकित करवाने का पता चला। इस संबंध में पीड़िता थाने पहुंची।

सार-समाचार

ग्वाल व राजभोग झांकी के दर्शन किए

उदयपुर, (कासं)। आईसीसी चेयरमैन जय शाह एवं पत्नी ऋषिता शाह व मां सोनल शाह ने ग्वाल एवं राजभोग झांकी के दर्शन किए जहां महाप्रभु जी की बैठक में अधिकारी सुधाकर उपाध्याय ने उपरना ओढ़ाकर व प्रसाद भेंट कर समाधान किया।आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ग्वाल की झांकी पश्चात श्रीजी प्रभु में गोवर्धन पूजा चौक में परिवार सहित किया किया गौदान पुष्टिमार्गीय प्रधान पीठ प्रभु श्री नाथ जी की हवेली में शुक्रवार को आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने परिवार सहित श्रीजी प्रभु की ग्वाल एवं राजभोग की झांकी के दर्शन किए जहां परंपरा अनुसार मंदिर के अधिकारी जी श्री सुधाकर उपाध्याय ने महाप्रभु जी की बैठक में शाह परिवार का ऊपरना रजाई ओढ़ाकर एवं प्रसाद प्रदान कर समाधान किया । वहीं इससे पूर्व जय शाह ग्वाल की झांकी के पश्चात गोवर्धन पूजा चौक में गौदान किया । इस अवसर पर सहायक अधिकारी अनिल सनाढ्य, तिलकायत श्री के सचिव लीलाधर पुरोहित ,मंदिर के पंड्या जी परेश नागर, पुष्टि प्रचार सहायक अधिकारी महर्षि व्यास, जमादार हर्ष सनाढ्य , कैलाश पालीवाल आदि सैकड़ो जन उपस्थित थे।

बछड़े के साथ कुकृत्य करने वाला धरा

बांसवाड़ा, (निसं)। गढ़ी थाना पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए बछड़े के साथ कुकर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी रोहित कुमार ने बताया कि 4 जुलाई को करण सिंह पुत्र दिपसिंह पंवार निवासी राजपुत मोहल्ला गढ़ी ने रिपोर्ट दी कि मेरे घर में पशुघर बना हुआ है। जिसमें बीती रात एक व्यक्ति ने बछड़े के साथ दुष्कर्म किया और प्रार्थी के जागने पर वह भाग निकला। यह पुरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। इधर जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिये। जिस पर एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज एवं वृताधिकारी गढ़ी सुदर्शन पालीवाल के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी रोहित कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। इस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान दिनेश पुत्र हजा चरपोटा निवासी सेमलिया के रूप में करते हुए उसे डिटेन कर पूछताछ की तो आरोपी ने घटना करना स्वीकार किया। जिस पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में थानाधिकारी रोहित कुमार, उपनिरीक्षक लक्ष्मणलाल, हैड कांस्टेबल शैलेन्द्र पाटीदार, तनवीर सिंह, कांस्टेबल अखेराम, बालचन्द, लोकेशचन्द्र शामिल रहे। जिनमें हैड कांस्टेबल शैलेन्द्र पाटीदार का विशेष योगदान रहा।

'पॉजिटिव व प्री-एक्टिव रहकर करें कार्य'

उदयपुर, (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को जिला परिषद सभागार में स्टेट रिव्यू मिशन के तहत विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर जयपुर से आई टीम ने उदयपुर जिले के विभिन्न ब्लॉकों में एक दिन पूर्व किये किये जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण के आधार पर तैयार प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। प्रमुख शासन सचिव राठौड़ ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में प्री-एक्टिव रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संस्थानों की कमियों की समय रहते पहचान कर उन्हें दूर किया जाए, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो। बैठक में जिला कलक्टर नमित मेहता, चिकित्सा,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक डॉ मधु रीतेश्वर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक आदित्य, आरएनटी प्राचार्य डॉ विपिन माथुर, एमबी चिकित्सालय अधीक्षक आर एल सुमन समेत डिप्टी सीएमएचओ, एडिशनल सीएमएचओ, आरसीएचओ, डीटीओ, फूड एवं ड्रग इंस्पेक्टर सहित जिले के सभी बीसीएमओ, डीपीसी, डीपीएम, बीपीएम और चिकित्सा संस्थानों के प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला कलक्टर नमित मेहता ने बताया कि अब जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा राज्य स्तर पर तय लक्ष्यों के अनुरूप की जाएगी। बैठक में स्टेट टीम द्वारा उदयपुर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

शोरूम से नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा कस्बे में स्थित शॉरूम से चोर नकरी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित विरेन्द्रसिंह पुत्र जसवन्तसिंह राजपूत गोगुन्दा ने अज्ञात चोर के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 3 जुलाई रात में अज्ञात चोर कस्बे में स्थित ललित मोटर्स के पिछवाड़ो में स्थित दिवार कूद कर अंदर घुस कर चोर 2 लाख 79 हजार 161रूपये नकदी चुरा ले गए। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर प्रकरण दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू की।

62 भेड़ें चुरा ले गये बदमाश

उदयपुर, (कासं)। खेरोदा थाना क्षैत्र से अज्ञात बदमाश रेवड से 62 भेडें चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पाली हिंगोला तखतगढ निवासी वजाराम रेबारी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि एमपी से सलूम्बर, भीण्डर रोड़ सीहाड के समीप रात्री विश्राम किया था। इस दौरान अज्ञात चोर3 जुलाई रात में रेवड़ से62 भेडे चुरा ले गए। दूसरे दिन गिनती करने पर इसका पता चला। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

महिला ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। खेरोदा थाना क्षैत्र में महिला ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार खेरोदा थाना क्षैत्र बाठेड़ा खुर्द निवासी जयाकुमारी (26) पुत्री रमेशचन्द्र मैनारिया ने शुक्रवार सांय अपने पिता के मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल महेन्द्र ढाका ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। जयाकुमारी की फरवरी 25 में खरसाण निवासी विपुल मैनारिया से शादी हुई थी। जिसकी दिमागी हालत ठीक नहीं होने से गत दिनों से वह अपने पिता के घर पर रह रहती थी।

धोखे से नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पीडित से नकदी हडपने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित महेन्द्र पुत्र शंकरलाल लखारा निवासी फलासिया झाड़ोल ने आरोपी मदन, देवीसिंह, रेश खारीवाल, चन्दनसिंह व सरदारसिंह पुत्र भेरूसिंह, तितरडी निवासी जोरावरसिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 1986 से 2011 तक आरोपियों ने तितरड़ी स्थित भूखण्डों का विक्रय इकरार किया। इस दौरान मुझे आरोपी जारावरसिंह नेभूखण्ड बेचा बदले में 26 लाख रूपये का भुगतान किया। रूपये लेने के बावजूद आरोपी ने मौके पर कब्जा नहीं दिया। इसको लेकर संपर्क करने पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

सज्जनगढ़ वाले बाबा का उर्स सम्पन्न

उदयपुर, (कासं)। शहर के सज्जनगढ पर दरगाह सज्जनगढ वाले बाबा के उर्स के चलते शुक्रवार को दोपहर नमाजे जुम्आ की बाद दरगाह कमेटी गंज शहिदा सरकार अम्बावगढ के मौलाना बाबुल हुसैन, सदर कमेटी गुलाम मोइनुद्दी कादरी राजा भाई, इरफान छुन्नु भाई, मोहम्मद इकबाल भाई, साहिल शेख, बिलाल, मोहम्मद रईस, समदानी, राफेअ, दरगाह के खिदमतगुजार मेहमूद खान सहित कमेटी के मेम्बरान व शहर के भर के कई लोग मौजूद रहे। उर्स के चलते शनिवार को प्रात: से ही शहर के भर के लोग पैदल ही आस्तानाए आलिया पर पहुंचने लगे और दरगाह चादर शरीफ, फुल व इत्र पेश किए। मन्नत पूरी होने से पर लोगों ने तर्बरूक वितरित किया। यह जानकारी गुलाम मोइनुद्दीन कादरी ने दी।

उपचार के दौरान दम तोड़ा

उदयपुर, (कासं)। कुराबड़ थाना क्षैत्र डांगियों की भागल रोड़ पर बाइक से गिरने पर घायल फिला निवासी नेहा कुंवर पत्नी महेन्द्रसिंह की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई।

स्कूल का निरीक्षण कर विद्यार्थियों का अधिगम स्तर जांचा

बांसवाड़ा, (निसं)। शिक्षा विभाग एक तरफ कई कवायदे कर रहा है कि बच्चों का स्कूल में नामांकन और ठहराव हो और इसके लिये कई अभियान भी चलाये जा रहे हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की दयनीय हालत का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि राउमावि चिड़ियावासा में 30 कार्मिकों में से मात्र 3 कार्मिक ही मिले वहीं प्रधानाचार्य सहित शेष कार्मिक एवं बच्चे भी नदारद मिले।

यह मामला तब उजागर हुआ जब शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं महत्वपूर्ण विभागीय योजनाओं की

- **चिड़ियावासा में 30 में से मात्र 3 कार्मिक मिले, बच्चे भी नदारद**

प्रगति व शासकीय निर्देशों की फील्ड स्तर पर क्रियान्विति व पालना के लिये प्रभावी पर्यवेक्षण और प्रबोधन के लिये शासन सचिव स्कूल शिक्षा एवं भाषा, शिक्षा एवं पुस्तकालय एवं पंचायती राज प्रारंभिक शिक्षा की ओर से नियुक्त जिले की प्रभारी अधिकारी सीमा गीतेश ने जिला शिक्षाधिकारी शफब अंजुम के साथ तलवाड़ा ब्लॉक के राउमावि चिडियावासा, घाटोल ब्लॉक के राउप्रावि मचारपाडा, राउमावि मूंगाना, राउमावि बस्सी आडा, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय गनोड़ा, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय गनोड़ा, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय लोहारिया का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राउमावि चिडियावासा में प्रात: 7.40 पर 30 में से 3 कार्मिकों को छोड़कर प्रधानाचार्य सहित शेष कार्मिक एवं बच्चे नदारद मिले। जिस पर जिला प्रभारी ने जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक को अनुपस्थित कार्मिकों को विभागीय नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिला प्रभारी अधिकारी ने स्टाफ को कार्यशैली में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिये। राउमावि बस्सीआडा के न्यून बोर्ड परीक्षा परिणाम के कारणों की प्रधानाचार्य जमनालाल खराड़ी सहित स्टाफ के साथ समीक्षा करते हुए वर्तमान सत्र में बेहतर परिणाम के लिये सत्रारंभ से ही कार्य योजना बनाकर उसे विद्यालय में लागूकर, सतत मॉनिटरिंग करने के लिये निर्देशित किया गया। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय लोहारिया में विद्यालय की शैक्षिणक व सह शैक्षिक गतिविधियां बेहतर मिलने पर जिला प्रभारी ने प्रधानाचार्य अल्पेश जैन सहित स्टाफ के कार्यों की सराहना की। राउमावि मूंगाना में नामांकित छात्रों की तुलना में छात्रों की न्यून उपस्थित पर प्रधानाचार्य प्रियंका डामोर को विद्यालय समय में छात्रों का ठहराव सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिला प्रभारी अधिकारी व डीईओ ने निरीक्षण के दौरान विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के विद्यालयो में संचालन, उनके क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिये। प्रभारी ने विद्यालय में नामांकन वृद्धि योजना, उसकी प्रगति, आधार जनाधार प्रमाणीकरण स्थिति, छात्रों को उच्च कक्षा में प्रमोट करने की स्थिति, अपार आईडी बनने की प्रगति, निशुल्क पाठयपुस्तक प्राप्ति व छात्रों को वितरण, पोर्टल पर दर्ज करने की स्थिति, वर्क बुक वितरण, परीक्षा परिणाम उन्नयन के लिये कार्य योजना, संस्थापन विवरण, विद्यालय परिसर की साफ सफाई, प्रधानमंत्री पोषण निर्माण शक्ति योजना, पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत मीनू अनुसार बनाए गए भोजन की गुणवत्ता , खाद्यान्न व पाउडर मिल्क के रखरखाव, भंडारण की स्थिति, समस्त प्रकार के रिकॉर्ड संधारण का अवलोकन कर निर्देश दिये।

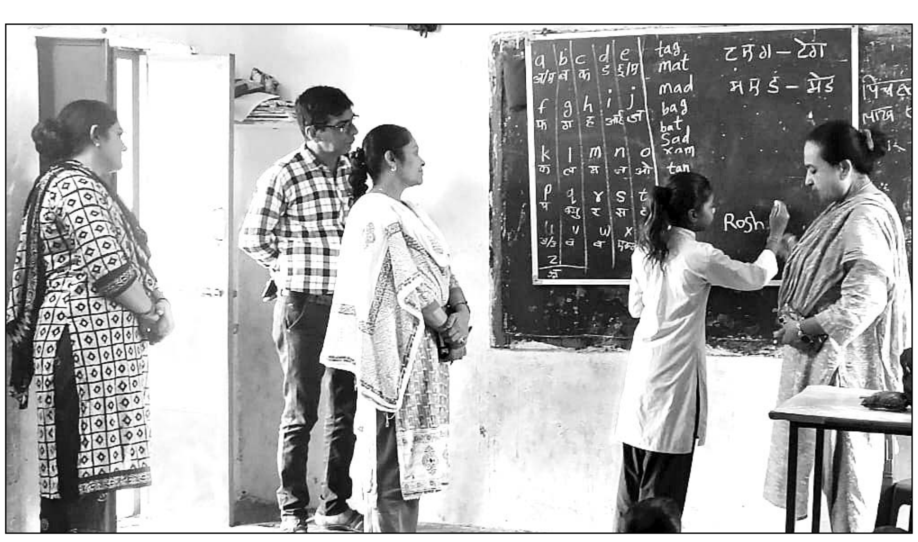

बांसवाड़ा में राजकीय विद्यालयों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के अधिगम स्तर की जांच करती प्रभारी अधिकारी सीमा गीतेश व जिला शिक्षाधिकारी शफब अंजुम।

पीएमसीएच चेयरमैन ने हर्षिता का कराया कॉकलियर इम्प्लांट

उदयपुर, 5 जुलाई । कभी न बोल पाने और न सुन पाने की मजबूरी में जी रही 4 वर्षीय हर्षिता अब जल्द ही अपनी माँ को माँ कहकर पुकार सकेगी। हर्षिता जन्म से ही सुनने और बोलने में अक्षम थी। उसकी मां भी जन्मजात गूंगी और बहरी हैं। लेकिन अब एक नेक पहल ने उनकी ज़िंदगी की दिशा ही बदल दी है। और इस बदलाव के पीछे हैं पीएमसीएच के चेयरमेन राहुल अग्रवाल है जिन्होंने मानवता को अपनी प्राथमिकता बनाया है।

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चेयरमेन राहुल अग्रवाल ने इस मासूम बच्ची का नि:शुल्क कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी करवाकर एक असंभव से लगने वाले सपने को साकार कर दिखाया है। इस सर्जरी को अंजाम दिया पेसिफिक हॉस्पिटल के ईएनटी विभाग की विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.ऋचा गुप्ता,कॉकलियर इम्प्लांट सर्जन डॉ.एस.एस.कौशिक एवं कॉकलियर इम्प्लांट मेन्टर सर्जन डॉ.एस.पी.दुबे जो कि इस ऑपरेशन को करने के लिए विशेषरूप से भोपाल से आए एवं टीम ने। ईएनटी विभाग के डॉ.एस. एस.कौशिक ने बताया कि हर्षिता का कॉकलियर इम्प्लांट हाल ही में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ है। अब 21 दिन बाद जब इस इम्प्लांट को स्विच ऑन किया जाएगा, तो वह पहली बार इस दुनिया की आवाज़ों को सुन सकेगी। डॉ.कौशिक ने स्पष्ट किया कि नियमित स्पीच थैरेपी और ट्रेनिंग के जरिए वह कुछ महीनों में बोलने भी लग जाएगी। इस ऑपरेशन से हर्षिता ही नहीं, उसकी मां की आंखों में भी उम्मीदों की नई चमक आई है। राहुल अग्रवाल ने बताया कि जब हमें पता चला कि बच्ची और उसकी मां दोनों ही बोल और सुन नहीं सकते, तो हमने तुरंत निर्णय लिया कि इस बच्ची की मदद की जाएगी।

पेसिफिक के चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने चार वर्षीय हर्षिता का नि:शुल्क कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी करवाई।

नेशनल हाईवे 8 पर दिखा अजगर

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 8 पर शुक्रवार देर रात उस समय हडकंप मच गया जब डिवाइडर के पास एक विशाल अजगर सडक पर रेंगता हुआ दिखाई दिया। राहगीरों ने तुरंत इस बात की सूचना वन विभाग की रेस्क्यू टीम और गश्ती दल राजसमंद के रेंजर सत्यानंद गरासिया को दी। सूचना मिलते ही रेंजर गरासिया ने वन्यजीव प्रेमी पन्नालाल कुमावत को मौके पर भेजा। कुमावत जब मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि अजगर सडक पर चल रहा था और लोग उसे बचाने के लिए सडक पर बीच-बचाव कर रहे थे, ताकि कोई वाहन उसे कुचल नहीं दे। वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया। उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार अजगर को बाद में सुरक्षित जंगल में छोड दिया गया। इस घटना ने एक बार फिर वन्यजीवों के आबादी वाले क्षेत्रों में आने की संभावना को उजागर किया है, खासकर हाईवे जैसे इलाकों में जहां खतरा ज्यादा होता है।

चिकित्सालय से नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। पारस चिकित्सालय में लॉकर तोड़ कर चोर लाखों की नकदी चुरा ले गया। जानकारी के अनुसार पीडिता पुजा पुत्री सागरमल मेहता निवासी ओसवाल नगर सुन्दरवास प्रतापनगरी ने थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 28 जुलाई को अज्ञात चोर शौभागपुरा स्थित पारस चिकित्सालय में फ्रंट ऑफिस डिपार्टमेंट में लगे लॉकर को तोड़ कर 18लाख78हजार468 रूपये चुरा ले गया।

सांवलिया जी सेठ को धराया छप्पन भोग

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में छप्पन भोग धराया गया।

जानकारी के अनुसार सांवलिया जी भक्त पदमेला निवासी हाल मंडफिया मोहन सिंह चौहान पिता बाबू सिंह चौहान की ओर से भगवान श्री सांवलिया जी सेठ को विभिन्न प्रकार की मिठाइयां, सूखे मेवे एवं विभिन्न प्रकार के फलों का छप्पन भोग धराया गया। इस मौके पर मंदिर पुजारी ने सभी को तुलसी एवं चरणामृत प्रदान किया। इससे पहले सांवलिया भक्त मोहन सिंह अपनी होटल रेस्टोरेंट से परिवार सहित बैंड बाजे के साथ कस्बे में भव्य छप्पन भोग का जुलूस निकाला गया। जुलूस में भक्तजन छप्पन भोग को सिर पर एवं हाथों में लिए नाचते-गाते व जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। छप्पन भोग जुलुस विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए मंदिर पहुंचा। सांवलिया भक्त मोहन सिंह ने छप्पन भोग के साथ सोने - चांदी एवं नगदी भी भेंट की। भक्त की ओर से भगवान को नोटों की माला व पोशाक भी भेंट की गई। इस कार्यक्रम में जीवन सिंह गोपाल सिंह, भानु सिंह, आशु सिंह, भगवान सिंह आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान जिंक के सीएसआर के तहत लघु उद्योग से महिलाएं बनी उद्यमी

उदयपुर/राजसमंद, (कासं)। हिन्दुस्तान जिंक के सीएसआर के तहत् विभिन्न परियोजनाएं चलायी जा रही है जिनमें लघु उद्योगों को बढाना देना प्रमुखता से है। विगत 5 वर्षो में दो महिला उद्योग स्थापित किये गये जिसमें महिलाएं उद्यमी बनकर उभरी है। अगस्त 2021 में स्थापित महिला-स्वामित्व और महिला-नेतृत्व वाला सामाजिक उद्यम, सखी उत्पादन समिति ग्रामीण राजस्थान की महिलाओं के जीवन में एक बडा बदलाव ला रहा है। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम, सखी पहल से शुरू की गयी यह समिति, 30 हजार से अधिक महिलाओं को 2 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित कर सशक्त बना रही है। इन समूहों ने सामूहिक रूप से 18.8 करोड़ की बचत की है और 100.6 करोड रूपयें से अधिक के ऋण प्राप्त किए हैं, जिससे हजारों ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिली है।

चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर के निकटवर्ती गांव की मोना साल्वी टेक्सटाइल यूनिट, चंदेरिया में कार्यरत है। वह कहती है कि मैं पहले दूसरों से बात करने में भी हिचकिचाती थी। अब मैं समूह में आत्मविश्वास से बोल सकती हूँ। एक दिन, मैं अपना कुछ शुरू करना चाहूँगी। कुछ साल पहले, यह जीवन कल्पना से परे था अब, मैं चुपचाप घर बैठने की कल्पना भी नहीं कर सकती। मैंने इतना कुछ हासिल किया है, मैं चाहती हूँ कि अन्य महिलाओं को भी इसका अनुभव करने का अवसर मिले।

जिंक ने सखी समूहों की आय सृजन को प्राथमिकता समझते हुए सखी के उत्पादों को बेचने के लिए स्थानिय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बिक्री और बाजार से जोडा है ताकि सखी महिलाओं के बने उत्पाद सीधे बाजार में पहुंचे। सखी उत्पादन समिति के तहत दो मुख्य ब्रांड हैं। दायची यह ब्रांड पारंपरिक तरीकों और प्राकृतिक सामग्री का उपयोग कर तैयार किए गए शुद्ध और केमिकल-मुक्त खाद्य उत्पाद जैसे घी, अचार, कोल्ड-प्रेस्ड तेल, मसाले और नमकीन प्रदान करता है, जो सीधे किसानों से प्राप्त होते हैं। दूसरा ब्रांड उपाया जिसमें पारंपरिक राजस्थानी हैंड-ब्लॉक प्रिंट और प्राकृतिक रंगों को समकालीन डिजाइनों के साथ मिलाकर आरामदायक, कार्यात्मक और किफायती परिधान बनाए जाते हैं। डिजायनर कपडे, बेग, होम डेकोर को आमजन द्वारा पंसद किया जा रहा है। सखी उत्पादन समिति ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर देने और उन्हें गरिमा के साथ कमाई करने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कई महिलाएं, जिन्होंने पहले कभी घर से बाहर काम नहीं किया था, अब अपने परिवारों और समुदायों में आदर्श बन गई हैं। वे अपनी कडी मेहनत और समर्पण से सामाजिक बाधाओं को तोड रही हैं और अन्य महिलाओं को बडे सपने देखने के लिए प्रेरित कर रही हैं। वर्तमान में, राजस्थान और उत्तराखंड में स्थित 14 उत्पादन इकाइयों जिनमें 8 कपडा और 6 खाद्य इकाइयाँ संचालित है एवं 200 से अधिक महिलाएँ कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, 100 से अधिक बिजनेस सखी ग्रामीण बिक्री एंबेसेडर के रूप में कार्यरत हैं, जो आस-पास के गाँवों और कस्बों में हस्तनिर्मित उत्पाद बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करती हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, इन बिजनेस सखियों ने सामूहिक रूप से 39.5 लाख कमाए एवं सखी उत्पादन समिति ने 2.31करोड का राजस्व दर्ज किया, जो महिलाओं की आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाता है। हिन्दुस्तान जिंक ग्रामीण महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड कर उन्हें उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हिन्दुस्तान जिंक अपने सामाजिक सरोकार के तहत महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए विगत 7 वर्षो से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का स्वंय सहायता समूह बनाकर उनक रूचि एवं आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण देकर समाज में अपनी अलग ही पहचान दिलाने का अनुठा प्रयास कर रहा है। 2023 में, सखी उत्पादन समिति ने अपना पहला ऑनलाइन बाजार हार्ट्स विद फिंगर्स लॉन्च किया, जो ग्रामीण महिलाओं और किसानों को सीधे उन ग्राहकों से जोडता है जो प्रामाणिक, हस्तनिर्मित उत्पाद पसंद करते हैं। यह प्लेटफॉर्म उद्यमों को व्यापक बाजारों तक पहुँचने में मदद करता है। पिछले साल, अमेजन पर दायची उत्पादों के लॉन्च के साथ बडी सफलता मिली। इससे उत्पादों की उपलब्धता बढी और उनके प्रदर्शन में सुधार हुआ - गाय का घी गौयम को अमेजन्स चोइस बैज मिला, जबकि आम का अचार बेस्टसेलर बन गया है। सखी उत्पादन समिति चित्तौडगढ के मूंगा खेडा गांव में ऑयल प्रेसिंग यूनिट संचालित है जो कि अचार और नमकीन के निर्माण में रॉ मटेरियल पर नियंत्रण सुनिश्चित करने, उत्पादन लागत को कम करने तथा बाजार की मांग को पूरा करने की दिशा में अगला कदम है।

सार-समाचार

हमला करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने नगर निगम कर्मचारी पर चाकू से प्राणघातक हमला करने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। इस दौरान भागने के प्रयास में गिरने पर दो बदमाश चोटिल हो गए। प्रकरण के अनुसार3 जुलाई को पीडित होमगार्ड जवान लेखराज नकवाल पुत्र सुखलाल नकलवा निवासी कच्ची बस्ती भोपामगरी ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि रात में आठ बजे मेरा पुत्र हरिश नकलवाल गाडी में सेक्टर 3 पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवा कर लौट रहा था। इस दौरान पिछे से आई दो कारों में सवार रितिक चौहान, प्रवीण सालवी, विक्की, रिषभ गुर्जर व साथियों ने चाकू से हमला कर दिया। चिल्लाने पर हमालवर फरार होने पर लोगों ने हरिश को निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। इस मामे में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी के नेतृतव में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए ऋतिक जीनगर पुत्र अशोक कुमार निवासी नीमच माता स्कीम देवाली अम्बामाता, प्रवीण सालवी पुत्र वैणीराम सालवी निवासी सुभाषनगर भुपालपुरा, ऋषभ गुर्जर पुत्र रामचन्द्र गुर्जर निवासी नीमच माता स्कीम देवाली तथा आयुष्मानसिंह उर्फ विक्की पुत्र गब्बरसिंह राजपूत निवासी सुभाषनगर भुपालपुरा को गिरफ्तार किया। ऋतिक जीनगर अम्बामाता पुलिस थाने का एवं भुपालपुरा पुलिस थाने का हिस्ट्रीशिटर प्रवीण सालवी व दो अन्य साथियों को जयपुर से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस कार्यवाही को देख भागते समय ऋतिक व प्रवीण दोनों खाई में कूद गये थे। जिसके चलते दोनों चोटिल हो गए। प्रवीण के खिलाफ 12, आयुष्मान के खिलाफ 4, ऋतिक के खिलाफ 11, ऋषभ गुर्जर के खिलाफ एक अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों का सम्मान

राजसमंद, (निसं)। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से जन्मजयंती तक मनाए जा रहे पखवाडे के अंतर्गत शनिवार को आपातकाल के दौरान जेल गए मीसाबंदियों के परिवारजन स्वर्गीय सुंदर पालीवाल की धर्मपत्नी बीना पालीवाल, मदन सहलोत की धर्मपत्नी मधुदेवी सहलोत, स्व.रोशन चोरडिया के पुत्र जगजीवन चोरडिया, स्व.श्रीकृष्ण चौधरी के पुत्र रमाकांत चौधरी, राधेश्याम टेलर के पुत्र संजय टेलर, स्व. बालकृष्ण पालीवाल के पुत्र महेश पालीवाल का भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके घर जाकर इकलाई ओढाकर व प्रभु श्रीराम की छवि और श्रीफल भेंट कर स्वागत सम्मान किया।

RAJASTHAN COLLEGE OF AGRICULTURE
MAHARANA PRATAP UNIVERSITY OF AGRICULTURE & TECHNOLOGY
GURU GOVIND SINGH MARG, UDAIPUR 313001
Tel. 0294 2418976, 2417835 (O), Em:deanrcaudr@yahoo.com
No.MPUAT/RCA/Acctts/OT/2025-26/NIB-19 Dated: 05.07.2025
NIT No.: RCA/NIT/2025-2026 /NIB-19
Sealed offline bids are invited up to **12:30 PM of 19.07.2025** in respect of the following tenders/bids: **(i) Bid No. RCA,"Supply of Chick Feed".** Details may be seen in the Bidding Document at our office or on our websites www.mpuat.ac.in or the website of State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in may be obtained or downloaded on payment of Rs. 500/- in demand draft/online.
DEAN, RCA

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला- राजसमन्द (राज.)
Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526
क्रमांक/न.पा.नाथ/नामा./2025/8466 दिनांक : 1/7/2025
-:आपत्ती सूचना:-
एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोईआपत्ती हो तो सात दिवस(कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पडौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री कमलेश कुमार लोढा पिता श्री सुन्दर लाल लोढा, निवासी-महावीरपुरा,नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या -01, क्षेत्रफल-2147 वर्गफिट, कृष्णा कॉलोनी फेज-2, गौरव पथ भलावतो का खेडा, नाथद्वारा	आवासीय भूमि	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-02	30 फिट रोड

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला- राजसमन्द (राज.)
Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526
क्रमांक/न.पा.नाथ/नामा./2025/8478 दिनांक : 1/07/2025
-:आपत्ती सूचना:-
एतर्थ द्वारासर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोईआपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पडौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री मदन मोहन त्रिपाठी पिता श्री श्याम सुन्दर त्रिपाठी निवासी-सुन्दर विलास के सामने, वल्लभपुरा, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या -1169 वर्गफिट, सुन्दर विलास के सामने वल्लभपुरा,नाथद्वारा	आम रास्ता	रास्ता व श्री नारायण जी भेटिया का मकान	श्री नन्दलाल जी त्रिपाठी का मकान	रास्ता वल्लभपुरा

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर
एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in
प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्तियों के लिए)
जबकि
अधोहस्ताक्षरकर्ता **श्री राजेश कुमार मित्तल** ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी **श्री प्रतीक भाटिया पुत्र श्री महेश कुमार भाटिया** पर मांग सूचना दिनांक **21.04.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 21.04.2025 को बकाया राशि रू. 6,31,330.92 (रूपये छह लाख इकतीस हजार तीन सौ तीस एवं पैसे बानवे मात्र)(दिनांक 29.03.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए)** प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 01, माह जुलाई, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 30.05.2025 को बकाया राशि रू. 6,40,007.92 (रूपये छह लाख चालीस हजार सात एवं पैसे बानवे मात्र) (दिनांक 29.05.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए)** प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक, डूंगरपुर शाखा** के प्रभार के अधीन होगा।
अचल सम्पत्तियों का वर्णन
सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री प्रतीक भाटिया पुत्र श्री महेश कुमार भाटिया के नाम साम्यिक बंधक खसरा नं. 3974/2139, आवासीय प्लॉट नं. 4ए, कृष्णा नगर, एनएच-8, मुख्य मार्ग से दूर अन्दर की ओर स्थित, राजस्व गाँव पलवाड़ा, पटवार क्षेत्र पलवाड़ा, तहसील डूंगरपुर, डूंगरपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट है।
सीमाएं- पूर्व: प्लॉट नं. 5, पश्चिम: प्लॉट नं. 4, उत्तर: रोड 30', दक्षिण: प्लॉट नं. 3
स्थान : डूंगरपुर
दिनांक : 01.07.2025
हस्ता. (राजेश कुमार मित्तल) प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर
एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in
प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
जबकि
अधोहस्ताक्षरकर्ता **श्री राजेश कुमार मित्तल** ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन)नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी **श्री पंकज नाई पुत्र श्री मगन लाल नाई** पर मांग सूचना दिनांक **04.04.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 04.04.2025 को बकाया राशि रू. 6,61,594.36 (रूपये छह लाख इकसठ हजार पांच सौ चौरानवे एवं पैसे छत्तीस मात्र) (दिनांक 30.03.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए)** प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 01, माह जुलाई, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 31.05.2025 को बकाया राशि रू. 6,71,628.36 (रूपये छह लाख इकहतर हजार छह सौ अठाईस एवं पैसे छत्तीस मात्र)(दिनांक 30.05.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए)** प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक, डूंगरपुर शाखा** के प्रभार के अधीन होगा।
अचल सम्पत्ति का वर्णन
सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री पंकज नाई पुत्र श्री मगन लाल नाई के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो खसरा नं. 3970/2139, प्लॉट नं. 238 एवं 239, कृष्ण नगर, एनएच-8, मुख्य मार्ग से दूर अन्दर की ओर स्थित, राजस्व गाँव पलवाड़ा, पटवार क्षेत्र पलवाड़ा, तहसील डूंगरपुर, जिला डूंगरपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 2000 वर्ग फीट है।
सीमाएं- पूर्व: रोड 30 फीट चौड़ी, पश्चिम: प्लॉट नं. 240, उत्तर: रोड 30 फीट चौड़ी, दक्षिण: प्लॉट नं. 237
स्थान : डूंगरपुर
दिनांक : 01.07.2025
हस्ता. (राजेश कुमार मित्तल) प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 100), ऋषभ पंत (65) और केएल राहुल (55) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को चायकाल तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 304 रन बना लिये। - **शुभमन गिल**

भारतीय बल्लेबाज, एक मैच के दौरान खेलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

संजू सैमसन

संजू सैमसन पिछले सीजन विजय हज़ारे दल से विवादास्पद तरीक़े से बाहर हो गए थे, लेकिन अच्छी बात ये है कि केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के साथ उनके रिश्ते अभी भी अच्छे हैं। शनिवार को भारत और राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज की लोकप्रियता एक बार फिर देखने को मिली जब वह केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें कोचि ब्लू टाइगर्स ने 26.60 लाख रुपये में रिकॉर्ड बोली लगाकर अपने साथ जोड़ा । आईपीएल 2025 के बाद संजू सैमसन के लिए ये पहली प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता होगी।

क्या आप जानते हैं ?... जेमी स्मिथइंग्लैंड के लिए तीसरा सबसे तेज शतक टेस्ट क्रिकेट में जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

भारत ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया

तीन इंग्लिश बैटर्स पैवेलियन लौटे, स्टंप्स तक स्कोर 72/3, आकाश दीप को 2 विकेट

बर्मिंघम, 5 जुलाई। भारत बर्मिंघम टेस्ट में मजबूत स्थिति में है। भारतीय टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 608 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लिश टीम के 3 बैटर्स को पवेलियन भेज दिया है।

शनिवार को स्टंप्स तक इंग्लैंड का स्कोर 72/3 रहा। ओली पोप 24 और हैरी ब्रूक 15 रन पर नाबाद लौटे। आकाश दीप ने जो रूट (6 रन) और बेन डकेट (25 रन) को बोल्ड किया। जबकि मोहम्मद सिराज ने जैक क्रॉली (शून्य) का विकेट लिया।

टीम इंडिया ने दूसरी पारी 427 रन पर घोषित की। रवींद्र जडेजा 69 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 161 रन बनाए। वे एक मैच में 400 रन बनाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने। उन्होंने पहली पारी में 269 बनाए थे। पहली पारी में भारत 587 और इंग्लैंड 407 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिली थी।

भारत ने कल के एक विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत को दूसरा झटका करूण नायर के रूप में लगा। उन्हें ब्राइडन कार्स ने विकेटकीपर स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया। उस समय भारत का स्कोर 96 रन था। जॉश टंग ने भोजनकाल से पहले के एल राहुल को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया। के एल राहुल ने 84 गेंदों में 10 चौकों की मदद से (55) रनों की जुझारू पारी खेली।

भोजनकाल तक भारत ने तीन विकेट पर 177 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 357 रनों की हो गई है। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 24) और ऋषभ पंत (नाबाद 41) बनाकर क्रीज पर थे।

पहले सत्र में भारत ने दो विकेट गंवाए और कुल 111 रन बटोरे। पहले घंटे में गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही थी और करुण नायर कार्स का शिकार बन गए। इसके बाद राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन वह टंग की अंदर आती गेंद पर गच्चा खा गए। हालांकि गिल दूसरे छोर पर डटे रहे और पंत ने आते ही आक्रमण चालू कर दिया। पंत को दो जीवनदान जरूर मिले लेकिन उन्होंने 35 गेंदों पर तेजी से पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 41 रन बना लिए।

भोजनकाल के बाद शोएब बशीर ने ऋषभ पंत को आउट कर इंग्लैंड को चौथी सफलता दिलाई। ऋषभ पंत ने 58 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए (65) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रवींद्र जडेजा ने कप्तान शुभमन गिल का बखूबी साथ निभाया। इस दौरान चायकाल से पहले शुभमन गिल ने 129 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए अपना शतक पूरा किया। चायकाल के समय शुभमन गिल (नाबाद 100) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 25) क्रीज पर मौजूद थे।

इंग्लैंड की ओर से जॉश टंग ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स और शोएब बशीर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे।

भारत का बांग्लादेश दौरा एक साल के लिए टला

2025 नहीं, सितंबर 2026 में होंगे 3 टी-20 और 3 वनडे

मुंबई, 5 जुलाई। भारत का बांग्लादेश दौरा एक साल के लिए टाल दिया गया है। ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। भारतीय बोर्ड के अनुसार, टीम इंडिया अब अगस्त 2025 की बजाय अगले साल सितंबर में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी। री-शेड्यूल करने के कारण नहीं बताया। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय में बिगड़े रिश्तों और सुरक्षा की वजह से यह फैसला लिया गया। भारत अगले साल बांग्लादेश जाकर 3 वनडे और 3 टी-20 खेलने वाला है।

रोहित-कोहली के खेलने का इंतजार भी टला बांग्लादेश टूर टलने के साथ फैंस का कोहली और रोहित को एक साथ फिर खेलते देखने का इंतजार भी बढ़ गया। रोहित और विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। दोनों ने पिछले साल जून में टी-20 इंटरनेशनल को भी अलविदा कह दिया था। ऐसे में अब दोनों खिलाड़ी वनडे में ही भारत के लिए खेलते नजर आएंगे। विराट और रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से खेलते नजर आए थे।

मीडिया राइट्स की बिक्री टाली बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के मीडिया राइट्स की बिक्री भी टाल दी है। पहले 7 जुलाई को टेक्निकल बोली और 10 जुलाई को फाइनेंशियल बोली होनी थी। लेकिन अब बोर्ड ने तय किया है कि वह पहले पाकिस्तान सीरीज (17-25 जुलाई) के लिए मीडिया राइट्स बेचेगा और फिर बाकी मैचों पर फैसला लेगा।

एक हफ्ते पहले के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा था कि दौरे पर आने से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को अपनी सरकार की मंजूरी का इंतजार है। पिछले साल छात्र आंदोलन के बाद तख्ता पलट हुआ बांग्लादेश में अगस्त 2024 में छात्र विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट हो गया था। छात्रों के नेतृत्व में यह आंदोलन मुख्य रूप से सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण नीति के खिलाफ शुरू हुआ था। प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और देश भर में अशांति फैल गई।

इसके बाद से ही बड़े पैमाने पर हिंदुओं पर अत्याचार की खबरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। महिलाओं के साथ बर्बरता के कई वीडियो सामने आए। वहीं कई लोगों के घर तक जला दिए गए। क्रिकेट के लिए सुरक्षा के इंतजाम मुश्किल है, इसलिए भी भारत फिलहाल बांग्लादेश नहीं जाना चाह रहा।

सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चम्पियनशिप : ले पुड्डेचेरी और उत्तराखंड ने जीत दर्ज की

रांची, 5 जुलाई। 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के तीसरे दिन शनिवार को ले पुडुचेरी और उत्तराखंड ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। आज यहां ग्रुप 'सी' के मुकाबले में ले पुडुचेरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान को 4-1 से हराया। गोल रहित शुरुआती क्वार्टर के बाद इंधुजा ई ने (33वें) मिनट में गोलकर ले पुडुचेरी को बढ़त दिलाई। इसके बाद कप्तान कनागसरी ने (39वें) मिनट में दूसरा गोल कर मैच में अपनी पकड़ मजबूत की। अंतिम क्वार्टर में दीपिका दास ने (48वें, 55वें) मिनट में दो गोल कर टीम की जीत सुनश्चित कर दी। राजस्थान के लिए लक्ष्मी ने (56वें) मिनट में एक सांत्वना गोल किया। वहीं दिन के दूसरे मैच में ग्रुप 'बी' में उत्तराखंड ने दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी को 2-0 से हराया। उत्तराखंड के लिए कप्तान मानसी खतारिया ने (25वें मिनट) दूसरे क्वार्टर में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

आरसीए एडहॉक समिति आरसीए अकादमी कार्यालय पर पदभार ग्रहण करेगी

कॉल्विन शील्ड चैम्पियन जयपुर टीम का सम्मान होगा

जयपुर, 5 जुलाई। राज्य विभाग द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन शाला संगीत आर्किया एडहॉक समिति 6 जुलाई को सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी रीच की ओर से अनुमोदित रूप से अपना पदभार ठाहण करेगी। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष डी डी कुमावत, सदस्य धन्नजय सिंह खींचसर, पिंकेश पोरावाल, आशीष तिवारी व मोहित यादव की उपस्थिति 6 जुलाई को सुबह 11.11 बजे आरसीए अकादमी कार्यालय में स्थित आरसीए एडहॉक समिति ने स्वीकृत रूप से पदभार ठाहण करेगी। आरसीए एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष डी डी कुमावत के अनुसार इस अवसर पर जयपुर जिला एडहॉक कमेटी के सदस्य भी मौजूद रहे।

तेजल नाथावत का राष्ट्रीय टीम में चयन

जयपुर, 5 जुलाई। ग्राम इटावा भोपजी की तेजल नाथावत का चयन अगस्त 25 मे होने वाली एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। तेजल नाथावत का चयन 50मीटर रायफल प्रॉन जूनियर वूमेन श्रेणी मे हुआ है। यह प्रतियोगिता 15 से 30 अगस्त तक कजाकिस्तान मे सम्पन्न होगी जिसमे तेजल नाथावत देश का प्रतिनिधित्व करेंगी ।

केसीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर सैमसन की केरल क्रिकेट में वापसी

तिरुवनंतपुरम, 5 जुलाई। संजू सैमसन पिछले सीजन विजय हज़ारे दल से विवादास्पद तरीक़े से बाहर हो गए थे, लेकिन अच्छी बात ये है कि केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के साथ उनके रिश्ते अभी भी अच्छे हैं। शनिवार को भारत और राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज की लोकप्रियता एक बार फिर देखने को मिली जब वह केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें कोचि ब्लू टाइगर्स ने 26.60 लाख रुपये में रिकॉर्ड बोली लगाकर अपने साथ जोड़ा।

आईपीएल 2025 के बाद संजू सैमसन के लिए ये पहली प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता होगी। सैमसन ने आईपीएल 2025 में आरआर के लिए नौ मुक़ाबले खेले थे। राजस्थान का अभियान अच्छा नहीं रहा था, आरआर ने चार जीत और दस हार के साथ नौवें स्थान पर प्रतियोगिता खत्म की थी। सैमसन प्रतियोगिता के काफी मुकाबले साइड स्ट्रेन की वजह से नहीं खेल पाए थे। केसीएल के साथ सैमसन की केरल क्रिकेट में भी वापसी हो रही है, जहां उन्हें पिछली बार विजय हजारे दल से बाहर कर दिया गया था। सैमसन को इसलिए दल से बाहर होना पड़ा था क्योंकि प्रतियोगिता की तैयारी के लिए आयोजित कैंप में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया था।

केसीए ने कहा था कि हम एक उदाहरण पेश करना चाहते थे, जबकि भारतीय बल्लेबाज ने कहा था कि उन्होंने बोर्ड से लिखित आवेदन के जरिए अनुमति मांगी थी कि वह इस कैंप का हिस्सा नहीं रह पाएंगे। सैमसन को इस लीग का ब्रैंड एबेंसडर बनाया गया है, वह केसीएल का पहला सीजन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की वजह से नहीं खेल पाए थे। उन्हें तब इससे आराम दिया गया था और नीलामी से उनका नाम वापस ले लिया गया था। उसके बाद से सैमसन लगातार भारतीय टी20 दल का हिस्सा रहे हैं।

दिल्ली पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पारूल सिंह ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से की मुलाकात

नई दिल्ली, 5 जुलाई। दिल्ली पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष पारुल सिंह ने दिल्ली में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर श्रीमती सिंह ने उन्हें भगवान श्रीराम और माता सीता की पारंपरिक पेंटिंग भेंट की, जो सांस्कृतिक सम्मान और सौहार्द का प्रतीक है। मुलाकात के दौरान श्रीमती सिंह ने झारखंड सरकार द्वारा खेल सुविधाओं के विकास और पैरा-एथलीट्स के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी साझा किया कि विभिन्न राज्यों के बीच सहयोग से देश में पैरा खेलों की संरचना को और मजबूत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस आत्मीय भेंट के लिए श्रीमती सिंह का आभार व्यक्त किया और समावेशी खेलों को प्रोत्साहन देने तथा दिव्यांग एथलीट्स के लिए बेहतर अवसर सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पारुल सिंह दिल्ली पैरा ओलंपिक समिति का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार विभिन्न मंचों पर सक्रिय हैं और समावेशन, पहुंच और सांस्कृतिक सहभागिता को सार्वजनिक जीवन में महत्व देने के प्रयासों में जुटी हैं।

अल्काराज, सबालेंका विंबलडन में चौथे दौर में

लंदन, 5 जुलाई। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को और स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने एम्मा राडुकानू को हराकर विंबलडन के चौथे दौर में जगह बना ली हैं। तीसरे दौर के शुक्रवार रात खेले गये मुकाबले में दूसरे वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी अल्कराज ने 12 में से पांच ब्रेक पॉइंट को बदलकर 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 55 में से 34 पॉइंट जीते जो कि उनकी जीत का मुख्य कारण रहा। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छा रिटर्न किया। इससे उनकी सर्विस पर बहुत दबाव पड़ता है। मुझे लगता है कि आज यही महत्वपूर्ण था। अल्कराज का अगला मुकाबला 14वीं वरीयता प्राप्त एंड्री रूबलेव से होगा। रूस के एंड्री रूबलेव ने एड्रियन मानारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई है। मैच के बाद रूबलेव ने कहा, वह वास्तव में एक शक्तिशाली खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि वह घास पर वास्तव में अच्छा खेलता है क्योंकि उसे हमेशा आक्रामक होना पसंद है। इस बीच, पाँचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज ने स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना पर 6-4, 6-3, 6-7 (5), 6-1 से जीत हासिल की। अगले दौर में फ्रिट्ज का सामना ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन से होगा। थॉम्पसन ने तीसरे दौर में इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-4, 6-4, 3-6, 6-3 से हराया। महिलाओं के ड्रॉ में शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू की चुनौती को 7-6 (6), 6-4 से हरा दिया। मैच के सबालेंका ने कहा, एम्मा ने बहुत ही शानदार टेनिस खेला और मुझे यह मैच जीत जीतने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। मुझे हर अंक के लिए संघर्ष करना पड़ा। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज जर्मन लौरा सीजमंड से 6-3, 6-3 से हार गईं, जबकि पूर्व विश्व नंबर वन नाओमी ओसाका ने एक सेट की बढ़त गंवा दिया और अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा से 3-6, 6-4, 6-4 से हार गईं।

हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 5 जुलाई। सबा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 8वीं हाजी गनी बाबा स्मर्ति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये के. एल. सैनी स्टेडियम में पहले मैच में कार्तिक शर्मा 72 रन नाबाद, आयुष आमेरिया 67 नाबाद व 28 रन पर 1 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत एमेमी क्रिकेट एकेडमी ने नीरजा मोदी एकेडमी को 8 विकेट से पहले सेमीफाईनल मैच में हराकर फाईनल में प्रवेश किया। आज खेले गये दूसरे सेमीफाईनल मैच में रौनक सैनी 32 रन पर 4 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा कुशाग्र ओझा 40 रन नाबाद व 17 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत केन्डलविक एकेडमी ने जयपुरिया एकेडमी को 6 विकेट से हराकर फाईनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला ऐमी क्रिकेट एकेडमी से होगा।

टॉस जीतकर नीरजा मोदी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मानेन्द्र सिंह 67 रन (35 गेंद, 5 चौके 5 छक्के) ने प्रतीक मान 38 के साथ मिलकर 9.5 ओवर में 109 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की मध्यक्रम में चिराग शर्मा 26 रन व केशव डिडवानिया 24 की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 185 रन बनाये ऐमी क्रिकेट एकेडमी की ओर से नावेद खान 30 रन पर 2 विकेट तथा अशोक शर्मा 39 रन पर 1 विकेट व आयुष आमेरिया 28 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में ऐमी क्रिकेट एकेडमी ने कार्तिक शर्मा 72 रन नाबाद (33 गेंद, 3 चौके 7 छक्के), आयुष आमेरिया 67 रन नाबाद (39 गेंद, 6 चौके 3 छक्के) ने तीसरे विकेट पर 114 रन की नाबाद साझेदारी निभाकर विजय लक्ष्य 162 ओवर में 185 रन 2 विकेट खोकर बना 8 विकेट से जीत दर्ज की ऐमी क्रिकेट एकेडमी की ओर से वरदान शर्मा ने 22 रन बनाये नीरजा मोदी की ओर से हर्षित शर्मा व चिराग शर्मा 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

दूसरा मैच : आज खेले गये दूसरे मैच में जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 54 ओवर में अमित गौतम 39 रन व आर्यन जैन 23 रन ने मिलकर 5.4 ओवर में 50 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की लेकिन रौनक सैनी 32 रन पर 4 विकेट व कुशाग्र ओझा 17 रन पर 2 विकेट, मेहुल सिंह 20 रन पर 1 विकेट, सार्थक त्याग 20 रन पर 1 विकेट की गेंदबाजी समक्ष निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट लेकर 119 रन बनाये।

जवाबी पारी में केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी ने कुशाग्र ओझा 40 रन (25 गेंद, 4 चौके 2 छक्के), दक्ष कासलीवाल 29, ओशनिक ग्रोवर 25 रन ने मिलकर विजय लक्ष्य 4 विकेट खोकर 16.1 ओवर में 121 रन बनाकर 6 विकेट से जीत दर्ज कर फाईनल में प्रवेश किया जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी की ओर से दिव्यांश शर्मा 12 रन पर 2 विकेट तथा अभिजय भन्डारी व ध्रुव सेठी 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। फाईनल कल रविवार 6 जुलाई को के. एल. सैनी स्टेडियम पर ही खेला जायेगा।

बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से शांतो को किया बाहर

ढाका, 5 जुलाई। बंगलादेश ने इस महीने के आखिर में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन टी-20 मैचों की सीरीज से पूर्व कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को बाहर कर दिया है। तीन मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 10 जुलाई को पल्लेकेले, दूसरा 13 जुलाई को दांबुला और तीसरा मैच 16 जुलाई को कोलंबो में खेला जाएगा। पिछले मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए चयनकर्ताओं ने पूर्व कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया हैं। शांतो मई में पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ बंगलादेश की टी-20 सीरीज के दौरान टीम का हिस्सा थे, लेकिन छह मैचों में से केवल एक में ही खेले थे। चयनकर्ताओं ने शांतो की जगह बाएं हाथ के बल्लेबाज मोहम्मद नईम को सलामी बल्लेबाज के रूप में टीम में शामिल किया गया है। नईम का घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन रहा है। वह बीपीएल और एनसीएल टी-20 दोनों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे, उन्होंने 37.59 की औसत और 140.40 की स्ट्राइक रेट से 827 रन बनाए, जिसमें एक शतक और छह अद्धर्शतक शामिल हैं। चोट से उबर कर वापसी कर रहे तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान की जोड़ी से बंगलादेश की टीम को मजबूती मिली है। मोहम्मद सैफुद्दीन का नाम भी टीम में शामिल किया गया है। वह एक साल के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। स्पिन विभाग में तनवीर इस्लाम की जगह नासुम अहमद को टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए बंगलादेश की टीमः- लिटन दास (कप्तान), तनजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, मोहम्मद नईम, तौहीद हृदॉय, जैकर अली, शमीम हुसैन, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, नासुम अहमद, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शरीफुल इस्लाम, तनजीम हसन साकिब और मोहम्मद सैफुद्दीन।

32वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैम्पियनशिप

भारत ने दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदको के साथ रचा इतिहास

जयपुर, 5 जुलाई। भारत ने दक्षिण कोरिया के जिम सिहोंग सी शहर में आयोजित 32वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीत इतिहास रच दिया। भारतीय दल ने दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किए और टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम रही।

भारतीय महिला टीम की कोच जयपुर की सुरभि मिश्रा ने बताया कि भारत के आर्यवीर दीवान ने मलेशिया के टॉप सीड निखिलेश्वर को सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 11-3 से पराजित कर अंडर-17 बायज कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-19 गर्ल्स में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की अनाहत सिंह ने हांगकांग की च्यूंग टीसी को 11-7, 11-2, 11-8 से सीधे सेटों में शिकस्त दे स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में अनाहत का प्रदर्शन सबसे प्रभावशाली रहा।

सुरभि ने बताया कि अंडर-13 बॉयज में भारत के अयान धानुका को पाकिस्तान के शीर्ष वरीयता के खिलाड़ी मोहम्मद एस के हाथों चार सेटों के संघर्ष में 5-11, 3-11, 11-13, 6-11 से मिली हार से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अयान ने तीसरे गेम में शानदार वापसी की लेकिन अनुभवी पाकिस्तानी खिलाड़ी के खिलाफ हार गए। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सान्वी कलंकी को अंडर-15 गर्ल्स के फाइनल में मलेशिया की जिनोरीका एन के हाथों 4-11, 6-11, 10-12 से हार मिली।

सुरभि ने बताया कि भारत की गर्ल्स अंडर-17 में अनिका दुबे, बॉयज अंडर-15 में आर्यमन सिंह और बॉयज अंडर-13 में अमर्य बजाज ने कांस्य पदक जीते। उन्होंने बताया कि राजस्थान के भी तीन खिलाड़ियों दिव्यांशी जैन, प्रभव बाजोरिया और सुभाष चौधरी ने हिस्सा लिया लेकिन पदक जीतने में नाकाम रहे।

वैभव सूर्यवंशी ने जड़ा यूथ एकदिवसीय का सबसे तेज शतक

वॉर्सेस्टर (इंग्लैंड), 5 जुलाई। भारतीय अंडर-19 टीम के धाकड़ बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को इंग्लैंड की टीम के खिलाफ चौथे यूथ एकदिवसीय मुकाबले में सबसे तेज शतक बनाने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। आज यहां खेले गये मुकाबले में सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 52 गेंदों में शतक ठोकते हुए नया रिकॉर्ड बना लिया है। इसी के साथ वह यूथ एकदिवसीय में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गये है। उन्होंने 78 गेंदों में 13 चौके और 10 छक्के लगाते हुए 143 रनों की आतिशी पारी खेली। इस आतिशी शतक के साथ ही वैभव ने पाकिस्तान के कामरान गुलाम द्वारा 2013 में बनाये गये रिकॉर्ड तोड़ दिया। वैभव ने जहां 52 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

राजस्थान जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता में झुंझुनूं बना विजेता

जयपु, 5 जुलाई। राजस्थान स्टेट जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता झुंझुनूं 2025 में आज दिनांक 4 जुलाई 2025 को दो सेमीफाइनल ,एक तीसरे स्थान का मैच ओर एक फाइनल मुकाबले खेले गए राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज हुआ मुकाबलों में पहला सेमीफाइनल इंडियन स्कूल के मैदान में मुकाबला झुंझुनू वर्सेस बीकानेर जिसमें झुंझुनू टाइब्रेकर में 5-3 से विजई रहा ।

जसोदा , किरण, जयश्री ने बीकानेर टीम से पेनल्टी किक पर गोल किए। निधि, जोहा, शाहिस्ता, दिव्यांशी, माधुरी ने झुंझुनूं की तरफ़ से गोल करके जीत दिलवाई। दूसरा सेमीफाइनल मैच झुंझुनूं अकादमी के खेल परिसर में हनुमानगढ़ वर्सेस नागौर के मध्य खेला गया जिसमें नागौर टीम 1-0 से विजेता रहा आफरीन बनो ने नागौर की ओर से गोल किया। तीसरे स्थान के लिए बीकानेर वर्सेस हनुमानगढ़ के मध्य मैच खेला गया जिसमें बीकानेर 4-0 से विजय रहा । मंजू, किरण, जयश्री, जशोदा ने बीकानेर की ओर से गोल किए। फाइनल

मुकाबला झुंझुनू वर्सेस नागौर के मध्य खेला गया दोनों ही टीमों ने आक्रमण खेल का प्रदर्शन किया झुंझुनूं की तरफ़ से जोहा खान ने 42 मिनट पर दूर से किक लगा कर गोल किया। जिसमें झुंझुनू ने 1-0 से मैच जीतकर पहली बार जूनियर बालिका फुटबाल प्रतियोगिता जीतकर इतिहास बनाया है ।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में अतिथि हर्षणी कुलहरी जिला प्रमुख एवं जिलाध्यक्ष भाजपा झुंझुनू, नरेंद्र खीचड़ पूर्व सांसद, अजय चाहर पार्षद, विशंभर पूनिया जिला खेल अधिकारी झुंझुनू, सुदेश जी पंचायत समिति सदस्य झुंझुनू, मोनिका राव चेयरमैन मरूधरा हुंडई झुंझुनू, जिला फुटबाल संघ सचिव महेंद्र बिजारणियां, सचिव नागोर फरहत अली, सचिव गंगानगर मदन बेनीवाल, मैच कमिश्नर अमर सिंह राठौड़, मनोज सैनी, प्रकाश जांगिड़, विकाश कुमार फुटबॉल कोच,आदि मौजूद थे।

राज्यपाल ओम माथुर व मुख्यमंत्री ने बालोतरा शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम का शुभारंभ किया

इस कार्यक्रम में सर्वे करके ड्रॉप आउट व नामांकन से वंचित बालिकाओं की पहचान कर विद्यालय भेजा जाएगा

बालोतरा/जयपुर, 5 जुलाई। सिक्किम के राज्यपालक ओम प्रकाश माथुर ने शनिवार को बालोतरा के ग्राम पादरू में मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम (बीडीईटी) के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा अपनी मातृभूमि के लिए शिक्षा के क्षेत्र में जो अभिनव प्रयास प्रारंभ किए गए हैं उससे बालक-बालिकाओं एवं युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। इस फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों को वित्तीय मदद भी उपलब्ध करवायी गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाकर हर सामाजिक बुराई का अंत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा 88 हजार 800 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट एवं साथ में इंटरनेट कनेक्शन निशुल्क दिए गए हैं। इसके साथ ही पुस्तकालयों को 43 लाख पुस्तकें पहुंचाई गई।

शर्मा ने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम के रूप में शिक्षा एवं कौशल के लिए महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इसमें घर-घर सर्वे कर ड्रॉपआउट और नामांकन से वंचित बालिकाओं की पहचान कर उनका विद्यालयों में नामांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शिक्षा तक ही नहीं बल्कि उन्हें रोजगार प्राप्त करने योग्य बनाने तक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जोधपुर के शेरगढ़ में दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने ऊंट की सवारी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बालोतरा जिले के चहुंमुखी विकास के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाया है।

- सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंत्योदय पखवाड़े के तहत ग्राम पादरू में लगे शिविर का अवलोकन किया व लाभार्थियों से संवाद किया।

पूर्व में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत पादरू में आयोजित शिविर का अवलोकन किया तथा विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर लाभार्थियो से संवाद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थी प्रेमलता को चैक एवं रेखा को गोद-भराई किट दिया।

इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, उद्योग राज्यमंत्री के.के.विश्नोई, सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, सुधीर गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अब तक 25 हजार श्रद्धालुओं ने अमरनाथ के दर्शन किए

नई दिल्ली, 5 जुलाई। अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह चरम पर है। यात्रा के चौथे दिन तक 25 हजार श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। हर हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों के बीच हजारों श्रद्धालु बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि खबर है कि गर्मी के प्रभाव से बर्फ से निर्मित होने वाला शिवलिंग अब धीरे-धीरे पिघलने भी लगा है।

जानकारी के मुताबिक, जम्मू से करीब 7,000 श्रद्धालुओं का एक और जत्था शनिवार को रवाना हुआ। अब तक कुल 30 हजार से अधिक श्रद्धालु कश्मीर पहुंच चुके हैं। नूनवान बेस कैंप से भी आज श्रद्धालुओं का एक नया जत्था रवाना हुआ। जानकारी के मुताबिक, आज श्रद्धालु भगवती नगर आधार शिविर से दो काफिलों में रवाना हुए।

- चौथे दिन सात हजार यात्री अमरनाथ के लिए रवाना हुए।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा यात्रा को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद से अब तक कुल 25,528 श्रद्धालु जम्मू से अमरनाथ यात्रा के लिए घाटी की ओर रवाना हो चुके हैं।

खास बात यह है कि पहले ऐसा लग रहा था कि पहलगाम हमले के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

रूट में आंशिक बदलाव से कुंभलगढ़ में मुहर्रम विवाद सुलझा

भविष्य में किले में धार्मिक आयोजन पूर्व अनुमति व पुरातत्व के दिशा निर्देश के अनुसार ही होंगे

उदयपुर, 5 जुलाई (कासं)। राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ दुर्ग में मोहर्रम पर ताजिए के जुलूस को लेकर पिछले दो दिन से चल रहा विवाद शनिवार को समाप्त हो गया। उपखंड कार्यालय कुंभलगढ़ में प्रशासन, हिंदू संघर्ष समिति और जनप्रतिनिधियों के बीच हुई समझौता वार्ता में सहमति बन गई। तय हुआ कि इस बार मोहर्रम के जुलूस के पूर्व निर्धारित रूट में थोड़ा बदलाव किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार बैठक में निर्णय हुआ कि भविष्य में दुर्ग परिसर या उसके भीतर किसी भी धार्मिक आयोजन की अनुमति प्रशासन की स्वीकृति और पुरातत्व विभाग की गाइडलाइन के अनुरूप दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मोहर्रम जुलूस को लेकर हिंदू संगठनों द्वारा दो दिन तक विरोध प्रदर्शन किया गया था। शुक्रवार को केलवाडा बस स्टैंड और प्रताप चौराहे पर सैकड़ों लोगों ने टायर जलाकर भारतीय पुरातत्व विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद उपखंड कार्यालय के बाहर पुरातत्व विभाग के कर्मचारियों का पुतला भी फूंका गया। विरोध के कारण केलवाडा कस्बे के बाजार बंद कराए गए थे जो अब समझौते के बाद पुनः खुल गए हैं।

- समझौते के बाद दो दिन से चल रहा विरोध प्रदर्शन बंद हुआ।
- केलवाड़ा कस्बे के बाजार खुले।

वार्ता में विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़, एडीएम नरेश बुनकर, एसडीएम आकांक्षा दुबे, तहसीलदार बाबूलाल नारनौलिया, एडिशनल एसपी महेंद्र पारीक, डीएसपी ज्ञानेंद्र सिंह, थानाधिकारी विशाल गवारिया और हिंदू संघर्ष समिति के प्रतिनिधि शामिल रहे। हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक रजनीश शर्मा समेत पांच सदस्यों ने वार्ता में हिस्सा लिया।

विवाद को लेकर हिंदू संघर्ष समिति का कहना था कि जब भी हिंदू समाज द्वारा दुर्ग परिसर में धार्मिक आयोजन की अनुमति मांगी जाती है तो भारतीय पुरातत्व विभाग शासकीय स्वीकृति का हवाला देकर मना कर देता है। जबकि वर्षों से मोहर्रम, बारावफात और छड़ी जुलूस बिना अनुमति के निकाले जाते रहे हैं। इसी भेदभाव को लेकर समिति ने विरोध जताया था। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अब सभी धार्मिक आयोजन प्रशासन और पुरातत्व विभाग की पूर्व अनुमति व दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही संपन्न होंगे। मोहर्रम का जुलूस भी इस बार निर्धारित रूट से थोडा संक्षिप्त करते हुए निकाला जाएगा, ताकि सभी पक्ष संतुष्ट रहे और क्षेत्र में सद्भावना बना रहे।

'देखना मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेरू जैसे अन्य साझेदारों के साथ भी इसी तरह की वार्ताएं चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) तभी संभव है जब दोनों पक्षों को समान रूप से लाभ हो।

गोयल ने आगे कहा, "मुक्त व्यापार समझौता तभी संभव है जब पारस्परिक लाभ हो। भारत कभी भी किसी समयसीमा या दबाव के आधार पर व्यापार समझौते में शामिल नहीं होता। कोई समझौता तभी स्वीकार किया जाता है जब वह पूरी तरह परिपक्व हो, अच्छी तरह से बातचीत की गई हो और राष्ट्रीय हित में हो।"

सड़क हादसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीर्थयात्री सुरक्षित हैं। उन्हें मामूली चोटें आई हैं और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। खान ने बताया कि सभी तीर्थयात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

हड्डियों पर माइक्रोग्रैविटी के असर का अध्ययन कर रहे हैं शुभांशु

नई दिल्ली, 05 जुलाई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अभी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर हैं। एक दिन के आराम के बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में हड्डियों पर सूक्ष्म माइक्रोग्रैविटी के असर का अध्ययन शुरू किया। यह प्रयोग यह जानने के लिए किया जा रहा है कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी से हड्डियों पर क्या असर पड़ता है और इससे धरती पर ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की बीमारी) जैसी बीमारियों के उपचार में कैसे मदद कर सकती है। आंकड़ों की मदद से एक डिजिटल ट्विन यानी वर्चुअल मॉडल बनाया जा रहा है, जो यह दिखा सकेगा कि किसी अंतरिक्ष यात्री की हड्डियां अंतरिक्ष में कैसे प्रतिक्रिया देती हैं और कैसे ठीक होती हैं। यह व्यक्तिगत तरीका भविष्य में मिशन की योजना बनाते समय अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन करने और उनके लिए उपयुक्त समाधान तैयार करने में मदद करेगा।

'राहुल के फोटो वाले सैनेटरी पैड का वितरण "फेक न्यूज़" है'

नयी दिल्ली, 05 जुलाई। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी-भाजपा सैनेटरी पैड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का फोटो छापकर फर्जी वीडियो चला रही है और इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा इसलिए इस मुद्दे पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा भाजपा और उनके लोग एक फेक वीडियो चला रहे हैं, जिसमें राहुल गांधी जी की फोटो एक सेनेटरी पैड पर लगी हुई है।

यह पूरी तरह से फेक है-इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। भाजपा नफरत में इतना गिर गई कि बहन-बेटियों को भी नहीं बख्श रहे हैं और उसको लेकर भी फ़र्ज़ी न्यूज फैलाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

- कांग्रेस ने यह दावा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा यह फर्जी वीडियो चला रही है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी भाजपा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेगी।

कांग्रेस नेता ने चेतावनी देते हुए कहा कि सैनेटरी पैड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का चित्र छापा गया है और भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसे लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यूपी सरकार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि हर त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हो।"

विपक्षी नेता इस आदेश से आक्रोशित हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का यह आदेश एक भटकाने वाली रणनीति है, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि इस आदेश को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। शमा मोहम्मद ने कहा, "उनका इरादा यह दिखाने का है कि यह मुस्लिम दुकान है और वह हिंदू दुकान है। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।"

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी उत्तर प्रदेश सरकार की निंदा की और कहा कि मुज़फ्फरनगर बाईपास पर होटल और दुकानें दस वर्षों से हैं, और अब तक कांवड़ यात्रा शांति से संपन्न होती रही है, "अब यह सब क्यों हो रहा है? अब वे होटल मालिकों से आधार कार्ड माँग रहे हैं। वे दुकानदारों से उनकी पैंट उतरवा रहे हैं।"

'लड़ाई और बंटवारा तो हर घर में होता है'

राबड़ी देवी ने बेटे तेज प्रताप यादव को परिवार व पार्टी से निकाले जाने पर टिप्पणी की

पटना, 5 जुलाई। तेज प्रताप यादव को लालू परिवार और राजद से 6 साल के लिए निष्कासित किए जाने पर पहली बार राबड़ी देवी ने बयान दिया है। शुक्रवार राष्ट्रीय जनता दल के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में राबड़ी देवी ने तेज प्रताप यादव विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। इस कार्यक्रम में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी सहित राजद के सभी बड़े नेता मौजूद थे।

इस कार्यक्रम को मंच से संबोधित करते हुए राबड़ी देवी ने तेज प्रताप विवाद पर कहा, "छोटा घर हो या बड़ा घर में, सबके घर में लड़ाई है, सबके घर में बंटवारा है भाई-भाई में।

इस कार्यक्रम में लालू यादव को फिर से निर्विरोध राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों पर नीतीश सरकार को जमकर घेरा तो लालू यादव ने लोगों को विश्वास दिलाया कि हम आपके विश्वास को झुकने नहीं देंगे।

- राजद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में लालू यादव को पार्टी का अध्यक्ष घोषित किया गया।

इस कार्यक्रम में लालू यादव ने तेजस्वी यादव को लेकर कहा, तेजस्वी रात-दिन एक-कर हर चीजों को देखते हैं, हर जगह जाते हैं। तेजस्वी को हमने आगे खड़ा किया है। चुनाव आ रहा है। इसमें तेजस्वी यादव को जिम्मेदारी देनी है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम अपने स्वास्थ्य की चिंता नहीं करते हैं। रोजाना तेजस्वी से पूछते हैं कि कब क्या हो रहा है।

तेज प्रताप पर केवल राबड़ी देवी का ही बयान सामने आया है। लालू यादव और तेजस्वी का कोई बयान सामने नहीं आया है। मालूम हो कि कथित गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव के साथ वाली तस्वीर सामने आने के बाद तेज प्रताप यादव को लालू यादव ने पार्टी और परिवार से 6 साल से निष्कासित कर दिया था।

पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया के अलावा, मीडिया से हुई बातचीत में भी माता-पिता को भगवान मानने की बात कही हैं। तेज प्रताप ने यह भी कहा कि तेजस्वी को सीएम बनाना है।

रोहित गोदारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गैंगस्टर रोहित गोदारा बताते हुए 5 करोड़ की फिरौती मांगी थी। उसने कहा था कि यदि रुपए नहीं दिए तो उनके पूरे परिवार को जान से मार देंगे। कॉल के दो मिनट बाद शाम 7:15 बजे एक वॉइस नोट भी मिला।

चार जुलाई को एक और वॉइस मैसेज भेजा गया जिसमें रुपए नहीं देने पर धमकी दी गई। सीईओ ने जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की।

भगोड़े नीरव मोदी का भाई अमेरिका में गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 05 जुलाई। भगोड़े हीरा व्यापारी और पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के एक मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है।

सूत्रों के अनुसार अमेरिका के न्याय विभाग ने नेहल मोदी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारतीय एजेन्सियों केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)और प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर की गयी है। नेहल मोदी पर देश के सबसे बड़े बैंक घोटालों में से एक पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में नीरव मोदी से संबंधित सबूतों को छिपाने , गवाहों को धमकाने और पैसों को छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है।

सूत्रों ने कहा कि अब नेहल मोदी के भारत प्रत्यर्पण की कार्यवाही में तेजी लाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ तालमेल किया जाएगा।

- सूत्रों के अनुसार अमेरिका के न्याय विभाग ने नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी की गिरफ्तारी सीबीआई व ईडी के आग्रह पर की है। नेहल पर अपने भाई के अपराध के सबूत छिपाने का आरोप है।

नेहल मोदी की गिरफ्तारी को 13 हजार करोड़ रूपये के बैंक घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी कानूनी सफलता माना जा रहा है।

'मैं 30-40 साल और जिंदा रहूंगा'

धर्मशाला, 05 जुलाई। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने अपने 90वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर शनिवार को धर्मशाला के मक्लोडगंज में स्थित मुख्य मंदिर त्सुगलाखांग में आयोजित एक विशेष प्रार्थना समारोह में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने अपनी सेहत और लंबी उम्र को लेकर चल रही अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उनके पास अवलोकितेश्वर (करुणा के बौद्ध देवता) का आशीर्वाद है और वह अगले 30-40 साल तक लोगों की सेवा करना चाहते हैं। दलाई लामा ने समारोह में मौजूद 15,000 से ज्यादा भक्तों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे कई संकेत मिले हैं कि अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद मेरे साथ है। मैंने अब तक अपनी पूरी कोशिश की है और मैं उम्मीद करता हूं कि मैं अभी 30-40 साल और जिऊंगा। आपकी दुआओं का फल मुझे मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन से ही उन्हें लगता था कि उनका अवलोकितेश्वर से गहरा नाता है। हंसते हुए उन्होंने कहा, मैं 130 साल से ज्यादा जीना चाहता हूं ताकि बुद्ध धर्म और तिब्बत के लोगों की सेवा और कर सकूं। हाल ही में दलाई लामा के उत्तराधिकारी की घोषणा को लेकर कई अफवाहें उड़ रही थीं, खासकर इसलिए क्योंकि उनका 90वां जन्मदिन नजदीक आ रहा था।

हिमाचल में भारी बारिश से अब तक 72 की मौत, 37 लापता

बादल फटने और भारी बारिश से हिमाचल में भारी तबाही हुई है

शिमला, 5 जुलाई। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं लोगों की जिंदगियों पर कहर बनकर टूटी हैं। हिमाचल में बादल फटने और बादल फटने से आई तबाही में अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 37 लोग अभी भी लापता हैं।

हालांकि मॉनसून के दौरान हिमाचल की परेशानी कम नहीं हुई है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए हिमाचल में रेड अलर्ट जारी किया है। इसे लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि सरकार पूरी तरह से अलर्ट है। साथ ही उन्होंने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने की भी बात कही है।

- हिमाचल में बादल फटने की 21 घटनाएं हुई हैं, उसकी वजह से राज्य भर में बाढ़ आई हुई है।
- मौसम विभाग ने एक बार फिर रैड अलर्ट जारी किया, जिससे लोगों में भारी चिंता है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बादल फटने की करीब 19 घटनाओं और इसके बाद अचानक आई बाढ़ के कारण व्यापक तबाही हुई है। इन घटनाओं में 72 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 लोग लापता हैं।

हिमाचल में मौसम विभाग की रेड अलर्ट की चेतावनी ने एक बार फिर चिंता को बढ़ा दिया है। मौसम विभाग ने हिमाचल के 3 जिलों में 6 जुलाई के लिए रेड अलर्ट की चेतावनी दी है और अन्य जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

उद्धव ठाकरे-राज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुड़ी है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के संस्थापक के रूप में राज ठाकरे की राजनीति आक्रामक क्षेत्रीयता और उत्तर भारतीय प्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख पर आधारित थी- एक छवि जिसे अखिल भारतीय दृष्टिकोण रखने वाली कांग्रेस के लिए स्वीकार करना कठिन है। हालांकि राज ठाकरे ने हाल ही में अपने भाषण और रवैये में नरमी दिखाई है, फिर भी कांग्रेस के कई नेता उनके पुराने विचारों से खुद को जोड़ने में हिचकिचाते हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय रणनीतिकारों के लिए, राज ठाकरे के साथ मंच साझा करना आगामी महत्वपूर्ण चुनावों, खासकर उत्तर भारत में, नुकसानदायक हो सकता है जहां पार्टी फिर से अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है। इसी के साथ, उद्धव और राज ठाकरे के बीच संबंधों में आती मजबूती ने एमवीए में शक्ति संतुलन और इसकी एकजुटता के भविष्य को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब यह देखना बाकी है कि ठाकरे भाइयों का यह पुनर्मिलन केवल प्रतीकात्मक है या यह एक ठोस राजनीतिक मोर्चा बनकर उभरेगा। यदि यह एक नया राजनीतिक मंच बनता है, तो यह महाराष्ट्र की विपक्षी राजनीति में कांग्रेस को हाशिए पर धकेल सकता है-विशेषकर उस स्थिति में अगर क्षेत्रीय ताकतें भाजपा और कांग्रेस के वर्चस्व से हटकर एक तीसरा रास्ता तलाशना चाहें। फिलहाल, कांग्रेस की अनुपस्थिति को अनदेखा नहीं किया गया है-और उसकी यह चुप्पी, जितनी दिखती है, उससे कहीं अधिक महंगी साबित हो सकती है।

'नैशनल हैरल्ड को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थापना 1937 में जवाहरलाल नेहरू, जे.बी. कृपलानी, रफी अहमद किदवई और अन्य लोगों द्वारा की गई थी।"

चीमा ने कहा, "एजेएल का एमओए साफ़ तौर पर कहता है कि उसकी नीति, कांग्रेस की नीति के अनुसार होगी। एजेएल ने कभी लाभ अर्जित नहीं किया। स्वतंत्रता के बाद यह कभी व्यावसायिक संस्था नहीं रही। हम एआईसीसी के माध्यम से उस संस्था को वापस पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे थे जो स्वतंत्रता संग्राम की विरासत का हिस्सा है। मुद्दा ऋण की वसूली नहीं, बल्कि संस्था को पुनर्जीवित करने का था। एआईसीसी का मकसद बिक्री से लाभ कमाना नहीं था। यह पूरी कहानी का विकृत रूप है।"

ईडी का यह भी आरोप है कि गांधी परिवार ने 90 करोड़ के ऋण के बदले में एजेएल की संपत्तियाँ यंग इंडियन के ज़रिए हड़प लीं, जिसमें उनका 76 प्रतिशत शेयर है।

- ईडी इस मामले में सोनिया व राहुल से पूछताछ कर चुका है। ईडी की चार्जशीट में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी व स्वर्गीय मोतीलाल वोरा, स्व. ऑस्कर फर्नांडिस के भी नाम हैं।

इससे पहले शुक्रवार को, वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सोनिया गांधी की ओर से अपनी दलीलें पूरी कीं।

3 जुलाई को, वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने आरोपपत्र की वैधता के मुद्दे पर दलील देते हुए कहा कि गांधी परिवार यंग इंडियन के लाभार्थी मालिक हैं और अन्य शेयरधारकों की मृत्यु के बाद उन्होंने इस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया।

ईडी ने गांधी परिवार और अन्य के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 3 और धारा 4 के तहत आरोपपत्र दाखिल किया है।

इस आरोपपत्र में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज़ प्राइवेट लिमिटेड के नाम भी शामिल हैं।

5 साल की बच्ची ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पिता को खेत से पीड़िता के कपड़े और चप्पल मिली। बालिका के पिता की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को घटना के बारे में जानकारी दी। वहीं अभियुक्त ने कहा कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है।

पुरी में भगवान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीनों देवता 27 जून को रथ यात्रा के दौरान जगन्नाथ मंदिर से निकले और अपना जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर पहुंचे। वे वहां एक सप्ताह तक रहे और जगन्नाथ मंदिर लौट आए।

रथयात्रा में शहर में सुरक्षा के लिए कई स्तर के प्रबंध किए गए थे और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई थी ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पौराणिक कथाओं के अनुसार तीनों देवता अपने जन्मस्थान गुंडिचा मंदिर में अपने वार्षिक नौ दिवसीय प्रवास को समाप्त करते हैं और अपने भव्य रथों पर सवार होकर जगन्नाथ मंदिर लौटते हैं। आधार पना (एक विशेष पेय) अनुष्ठान के बाद देवता नीलाद्री बिजे में जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करेंगे जो रथ यात्रा का समापन होगा।

24 जून को चुनाव आयोग द्वारा जारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रक्रिया लंबी हो जाती है, जिसमें हलफनामा और देरी हो जाने पर प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट का आदेश भी लेना पड़ सकता है। बिहार इस मामले में बहुत कमजोर रिकॉर्ड रखता है।

साल 2000 में, जब भारत का रजिस्ट्रार जनरल डेटा रिकॉर्डिंग शुरू कर चुका था, बिहार में सिर्फ 1.19 लाख जन्मों का पंजीकरण हुआ, जो उस साल अनुमानित जन्मों का सिर्फ 3.7 प्रतिशत था। बिहार में जन्म पंजीकरण की दर धीरे-धीरे बढ़ी, लेकिन 2007 में भी, जो लोग इस वर्ष 18 वर्ष के होकर 2025 में मतदान का पात्र बने, केवल 7.13 लाख जन्म पंजीकृत हुए, जो उस साल अनुमानित जन्मों का एक-चौथाई था।

पासपोर्ट की मांग, एक और दस्तावेज़ है, जो अजीब है, क्योंकि 2023 तक बिहार में वैध पासपोर्टों की संख्या सिर्फ 27.44 लाख थी, जो कुल आबादी का लगभग 2 प्रतिशत ही थी।

मैट्रिक या शैक्षिणक प्रमाणपत्र, जो मान्यता प्राप्त बोर्डों/विश्वविद्यालयों द्वारा जारी होते हैं: सी.बी.एस.सी., आई.सी.एस.सी. और बिहार राज्य बोर्ड जैसे बोर्ड इन्हें देते हैं। बिहार जाति सर्वे 2022 के अनुसार राज्य की केवल 14.71 प्रतिशत आबादी कक्षा 10 उत्तीर्ण है। यह दर और भी कम है क्योंकि राज्य में ड्रॉप-आउट दर 26 प्रतिशत (कक्षा 6-8) है, जैसा कि शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने 3 फरवरी, 2025 को लोकसभा में बताया।

स्थायी निवास प्रमाणपत्र, जिसे डोमिसाइल सर्टिफिकेट भी कहा जाता है, यह प्रमाणित करता है कि आवेदक स्थायी निवासी है। इसके लिए आवेदक को आधार, राशन कार्ड, वोटर आईडी, मैट्रिक प्रमाणपत्र और स्थायी निवास का हलफनामा प्रस्तुत करना होता है; फॉर्म बी.डी.ओ. या कार्यपालक मजिस्ट्रेट को जमा करना होता है। इसमें 15 दिनों तक समय लग सकता है, और दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया में देरी हो सकती है।

वन अधिकार प्रमाणपत्र, प्राप्त करना आसान नहीं है। 1 जून 2025 तक हमारे पास विविध जनजातीय मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में इस अधिनियम के तहत केवल 4,696 दाखिले प्राप्त हुए, जिनमें से केवल 191 को प्रदान किया गया और 4,496 दाखिले अस्वीकृत कर दिए गए।

ओ.बी.सी./एस.सी./एस.टी. या किसी भी जाति का प्रमाणपत्र, जो सक्षम प्राधिकरण द्वारा जारी किया जाता है: बिहार जाति सर्वे 2022 के अनुसार, बिहार की कुल आबादी 13.07 करोड़ थी। इसमें से: ओ.बी.सी. 3.54 करोड़ (27 प्रतिशत), ई.बी.सी. 4.70 करोड़ (36 प्रतिशत), एस.सी. 2.6 करोड़ (20 प्रतिशत), एस.टी. 22 लाख (1.6 प्रतिशत। लेकिन इनमें से कितनों को इन जाति प्रमाणपत्रों का लाभ मिला, इसका कोई आंकड़ा मौजूद नहीं है।

यदि कोई व्यक्ति इनमें से कोई एक भी दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं कर पाता, तो चुनाव आयोग के निर्देश धारा 5बी के अनुसार, संबंधित अधिकारी "संदिग्ध विदेशी नागरिकों" के मामलों को नागरिकता अधिनियम के अंतर्गत काबिल प्राधिकारी के पास भेज सकते हैं।

चुनाव आयोग ने पूरी प्रक्रिया को मतदाताओं के अनुकूल बनाने की इण्डिया ब्लॉक की अपील को नहीं माना।

चुनाव आयोग की इस पहल को सोशल मीडिया पर वोटबंदी कहा जा रहा है, जैसे 2016 की नोटबंदी और कोविड-19 के समय की देशबंदी।

बिहार में विधानसभा चुनाव इस वर्ष के अंत में होने हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908